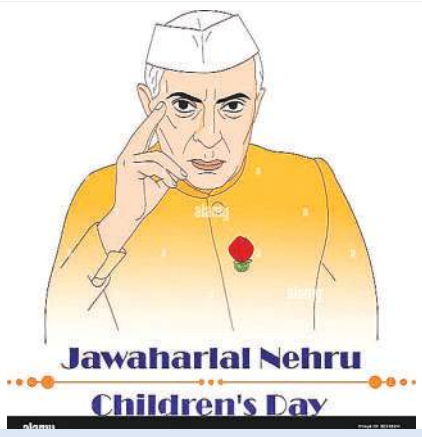
मुंबई, जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, रायपुर, इंदौर, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-02 अंक-176 ●मुंबई, शनिवार , 14 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ●कार्तिक शुक्ल पक्ष 5 ● विक्रम संवत् 2083



काजीरंगा के पास भीषण सड़क हादसा

मिनी बस-कंटेनर भिड़े, 23 की मौत, 20 घायल





काजीरंगा, एजेंसी। असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर कोहोरा रेंज के अंतर्गत रंगाजन इलाके में हाथीकुली टी एस्टेट के पास हुआ। यहां यात्रियों से भरी एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्री बस के अंदर ही फंस गए। राहत एवं बचाव दल ने बस को काटकर शवों को बाहर निकाला। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बस में 35 से अधिक लोग सवार थे। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। शुरुआत में 20 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी, लेकिन राहत एवं बचाव कार्य के दौरान मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। कोहोरा मॉडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को बेहतर उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में कई कॉलेज के छात्र भी प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि छात्र अपनी कक्षाएं समाप्त होने के बाद लौट रहे थे, तभी उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी मिलते ही असम के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा घटनास्थल पर पहुंचे। वह इसी क्षेत्र के विधायक भी हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों से घायलों के उपचार तथा बचाव अभियान की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में मिनी बस की तेज रफ्तार सामने आई है। काजीरंगा नेशनल पार्क के आसपास वाहनों की गति को लेकर प्रतिबंध लागू हैं। आशंका है कि मिनी बस इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए तेज गति से चल रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से जा भिड़ी।

समृद्धि महामार्ग पर काल बनी तेज रफ्तार





कंटेनर में घुसी कार परिवार के पांच सदस्यों की मौत

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि महामार्ग पर हुई भीषण दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई। रविवार दोपहर धामणगांव रेलवे तहसील के पास तेज रफ्तार मारुति इग्निस कार सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बचने का मौका तक नहीं मिला।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, चंद्रपुर जिले का यह परिवार एक निजी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अकोला जा रहा था। हादसे में भास्कर जीवने (57), महादेव जीवने (42), आरती जीवने (40), लता जीवने (43) और कृष्णा जीवने (12) की मौत हो गई।

दुर्घटना की सूचना पर समृद्धि महामार्ग पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी को धामणगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में चालक को झपकी आने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

छठ महापर्व शुरू

40 लाख श्रद्धालु बिहार लौटे 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य



नई दिल्ली,यशभारत। लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। पर्व का समापन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। छठ को लेकर बिहार से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश तक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। घाटों की साफ-सफाई, सजावट और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

छठ पर्व को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले बिहार के लोगों की घर वापसी का सिलसिला जारी है। दावा किया जा रहा है कि देशभर से करीब 40 लाख लोग बिहार लौट चुके हैं। पटना जंक्शन सहित राज्य के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिछले पांच दिनों से यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। गुजरात के सूरत से ही दो दिनों में करीब 60 हजार लोग अपने गृह नगरों के लिए रवाना हुए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए गुजरात से 43 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हरियाणा के अंबाला कैंट सहित कई रेलवे स्टेशनों पर भी यूपी और बिहार जाने वाले यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है।

दिल्ली में इस बार छठ पूजा के लिए मूनक नहर के दोनों किनारों पर करीब 11 किलोमीटर लंबा विशाल घाट विकसित किया गया है। गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने इसका उद्घाटन किया। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के अवसर पर 16 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस दिन सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक उपक्रमों में छुट्टी रहेगी। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने छठ पूजा के अवसर पर 15 और 16 नवंबर को ऐच्छिक अवकाश घोषित किया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी छठ पूजा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। यहां छोटे-बड़े 54 घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। बड़े तालाब के शीतलदास घाट सहित विभिन्न जलाशयों पर व्रती सूर्य को अर्घ्य देंगे। देश के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे पूर्वांचल और बिहार के परिवारों में भी पर्व को लेकर उत्साह का माहौल है।

मणिपुर में उग्रवादियों की अंधाधुंध फायरिंग

दो महिलाओं समेत 4 की मौत

उखरुल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों ने दो वाहनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है

पुलिस के मुताबिक, वारदात इम्फाल-उखरुल मार्ग पर न्यू हेवन इलाके में हुई। हमले के दौरान दोनों वाहनों में सवार लोगों को निशाना बनाया गया। फायरिंग इतनी भीषण थी कि वाहनों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।इस घटना से एक दिन पहले भी मणिपुर के दो इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई थीं। कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास हुई फायरिंग में 42 वर्षीय एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि दो पुरुष घायल हुए थे। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं ने पहाड़ी जिलों में सुरक्षा व्यवस्था और सामुदायिक तनाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है।इस साल फरवरी से अब तक पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, मई 2023 में घाटी के मैतेई और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष का असर अब तक बना हुआ है। इस संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग लापता बताए गए हैं। हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ा है।

मेट्रो में आम यात्री की तरह सफर पर निकले पीएम मोदी, काउंटर से खरीदा टिकट



बेंगलुरु, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक दौरे के दौरान बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मेट्रो स्टेशन के टिकट काउंटर से खुद टिकट खरीदा और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया। प्रधानमंत्री ने राज्य में करीब 15,600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु अब 100 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। शाम को प्रधानमंत्री ने मैसूरु में कॉसमॉस प्लेनेटोरियम का उद्घाटन किया

इससे पहले प्रधानमंत्री ने प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक सदियों से योग और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस धरती ने अनेक योग गुरुओं और विद्वानों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और संतुलित समाज का आधार है।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रेलवे, ऊर्जा सुरक्षा और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे अब गुलामी की सोच को पीछे छोड़कर आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहा है। कर्नाटक के 60 से अधिक रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा चुका है। इन स्टेशनों पर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। ऊर्जा सुरक्षा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में युद्ध जैसी परिस्थितियों के दौरान भारत को ऊर्जा क्षेत्र में पिछले एक दशक में उठाए गए कदमों का लाभ मिला है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर फोन टैपिंग का आरोप, फिर दी बहस की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनका फोन टैप कराने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर आयोजित आस्क मी सेशन में राहुल गांधी ने अपना मोबाइल फोन दिखाते हुए दावा किया कि विदेशी फंडिंग और देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े आरोपों के सबूत उनके फोन में मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जानते हैं कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है। राहुल ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को आमने-सामने बहस की चुनौती देते हुए कहा कि यदि दोनों के बीच सीधी बातचीत हो जाए तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। पिछले 12 दिनों में यह सातवीं बार है, जब राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है।



इंस्टाग्राम सेशन के दौरान एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी आरोप लगाते हैं कि उन्हें विदेश से मदद मिल रही है, जबकि राहुल गांधी का कहना है कि प्रधानमंत्री विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। इन दोनों दावों के समर्थन में क्या सबूत हैं? इस पर राहुल ने कहा कि उनके फोन में ही सभी आरोपों से जुड़े सबूत मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि आमने-सामने की बहस में यह स्पष्ट हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कौन कब से ऐसी गतिविधियों में शामिल है। राहुल ने कहा कि उनके पास ऐसी कई अन्य जानकारियां भी हैं, जिनके बारे में वह जानते हैं और जो उनके मोबाइल फोन में मौजूद हैं। एक अन्य सवाल में पूछा गया कि भाजपा संसद में बहस की बात कर रही है, जबकि राहुल सार्वजनिक मंच पर बहस की मांग क्यों कर रहे हैं? इस पर उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में कई मुद्दों पर बोलने की कोशिश करने के बावजूद उन्हें मौका नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। राहुल ने किसान कानूनों, वोट चोरी, सावरकर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एप्स्टीन से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इन विषयों पर संसद में अपनी बात रखने से रोका गया।

इसरो को बड़ी कामयाबी, एलवीएम-3 के तीसरे स्टेज का ग्राउंड टेस्ट सफल

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने भारी प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 के तीसरे स्टेज का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पिछले दो मिशनों के दौरान इसी स्टेज में तकनीकी गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसरो ने इन खामियों की विस्तृत जांच के बाद स्टेज के डिजाइन में बदलाव किया और इसे नए सिरे से तैयार कर परीक्षण किया। नए संस्करण की सफलता से एलवीएम-3 रॉकेट की उड़ान क्षमता को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है।

पीओके में यात्री वैन नदी में गिरी, 11 लोगों की मौत



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में यात्री वैन के नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब वैन गिलगित से घिजर जिले की यासीन घाटी जा रही थी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा गुरुवार शाम मोर्काह पुल के पास हुआ। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वैन यासीन नदी में जा गिरी। दुर्घटना के बाद बचाव दल को मौके पर बुलाया गया। बचावकर्मियों ने नदी से 10 यात्रियों के शव निकाले। इनमें दो महिलाएं शामिल थीं। इसके अलावा तीन घायलों को भी बाहर निकाला गया। घायलों में एक बच्चा भी था। सभी को उपचार के लिए गुपिस सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल बच्चे की भी मौत हो गई। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। मृतक और घायल सभी यासीन घाटी के निवासी बताए गए हैं।

राहुल गांधी को हर वक्त सताता है 'मोदी फोबिया' : एकनाथ शिंदे



मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें 'मोदी फोबिया' हो गया है। उठते-बैठते और सोते-जागते उन्हें केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिखाई देते हैं।

शिंदे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना राहुल गांधी की मीडिया में चर्चा नहीं होती। अपनी राजनीतिक जमीन बचाने और सुर्खियों में बने रहने के लिए वे फोन टैपिंग जैसे निराधार आरोप लगा रहे हैं। उनके पास न कोई ठोस मुद्दा है और न ही आरोपों को साबित करने के प्रमाण। केवल सबूत होने का दावा कर नए-नए आरोप लगाना उनकी राजनीति बन गई है। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है, जबकि विपक्ष के नेता हास्यास्पद बयान देकर अपना मजाक बनवा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी पर 'उबले पानी में शोर ज्यादा' वाली कहावत सटीक बैठती है।

23 वाहनों में लगी आग 3 भारतीय समेत 14 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह के पास भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। मृतकों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने आसपास मौजूद वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया।यूएई के आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, हादसा गुरुवार आधी रात से कुछ देर पहले पूर्वी अमीरात की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। उस समय यातायात धीमा था और कई वाहन आगे बढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने आगे चल रहे वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद पलटा हुआ ट्रक सड़क पर धीमी गति से चल रहे और रुके हुए कई वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों में आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग गाड़ियों के भीतर फंस गए। हादसे में पांच ट्रकों सहित कुल 23 वाहन शामिल थे। आग लगते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस, पैरामेडिकल और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने आग पर काबू पाने के साथ वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

वसई-विरार रेलमार्ग पर 24 घंटे में पांच मौतें

चार यात्रियों की ट्रेन की चपेट में आने से गई जान



मुंबई, यश भारत। पश्चिम रेलवे के वसई-विरार रेलखंड पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। महज 24 घंटे के भीतर पांच लोगों की मौत ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इनमें चार लोगों की जान ट्रेन की चपेट में आने या चलती लोकल से गिरने के कारण गई, जबकि एक व्यक्ति की प्राकृतिक कारणों से मौत हुई।

वसई रेलवे पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर को शाम करीब 6 बजे विरार स्टेशन पर 35 वर्षीय व्यक्ति मृत मिला। उसी रात वसई और नालासोपारा के बीच रेलवे पटरी पार करते समय 65 वर्षीय व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। रात करीब 11 बजे इसी रेलखंड पर संजय राय (30) भी ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। 12 नवंबर को सुबह 8.40 बजे वैतरणा और विरार के बीच 61 वर्षीय व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। वहीं, सुबह 10.30 बजे वसई स्टेशन के पास चलती लोकल से गिरने के कारण दिलीप मिश्रा (35) की जान चली गई।

अमित शाह कल से दो दिवसीय दौरे पर महाराष्ट्र में, कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल



मुंबई, यश भारत। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 15 और 16 नवंबर को महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे पुणे में उद्योग, सहकारिता और ऐतिहासिक विरासत से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। राज्य के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के बीच उनके इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दौरे के पहले दिन 15 नवंबर को अमित शाह मुंढवा स्थित भारत फोर्ज लिमिटेड का दौरा करेंगे। इसके बाद तलेगांव दाभाड़े में एनएचईसी मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के भवन का भूमिपूजन करेंगे। इसी कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता रजिस्ट्रार कार्यालय के क्षेत्रीय केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन और महाराष्ट्र में 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत भी करेंगे।

16 नवंबर को वे भारतीय जैन संगठन और शांतिलाल मुथा फाउंडेशन के मुख्यालय जाएंगे। इसके बाद यशवंतराव चव्हाण भवन में दिवंगत अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। दौरे के अंतिम चरण में भारत इतिहास संशोधक मंडल में 'मराठा इतिहास डिजिटल आर्काइव' का लोकार्पण करेंगे।

पनवेल-वसई-विरार के बीच बनेगा नया उपनगरीय रेलमार्ग

मुंबई, यश भारत। मुंबई महानगर क्षेत्र के यात्रियों को जल्द ही पनवेल से वसई-विरार तक बिना लोकल बदले सफर करने की सुविधा मिल सकती है। पनवेल-वसई के बीच 69.23 किलोमीटर लंबे नए उपनगरीय रेलमार्ग के प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड की परियोजना मूल्यांकन समिति ने मंजूरी दे दी है। इस मार्ग पर 17 स्टेशन विकसित किए जाएंगे।

मुंबई नागरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी-3बी) के तहत बनने वाले इस रेलमार्ग पर 12,710.82 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें करीब 28 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड होगा।

फिलहाल पनवेल से वसई-विरार जाने वाले यात्रियों को कुर्ला या दादर में लोकल बदलनी पड़ती है। नया मार्ग शुरू होने से नवी मुंबई, भिवंडी और वसई-विरार के बीच सीधा रेल संपर्क मजबूत होगा और यात्रियों का समय बचेगा।

महाराष्ट्र सरकार पहले ही परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे चुकी है। हालांकि, निर्माण शुरू करने के लिए नीति आयोग और केंद्रीय वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिलना बाकी है। परियोजना की जिम्मेदारी मुंबई रेल विकास निगम को सौंपी गई है।

कोस्टल रोड टनल में 15 मिनट के भीतर दो हादसे, छह वाहन टकराए

मुंबई, यश भारत। मुंबई की कोस्टल रोड सुरंग में शुक्रवार तड़के महज 15 मिनट के भीतर दो सड़क हादसे हुए। उत्तर दिशा की सुरंग में हुई इन दुर्घटनाओं में कुल छह वाहन टकराए। दूसरी दुर्घटना में एक कार में आग लग गई। हालांकि, दोनों हादसों में कोई घायल नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, पहला हादसा रात 2.33 बजे हुआ। सूचना मिलते ही कोस्टल रोड कंट्रोल रूम ने पुलिस, एंबुलेंस और टोइंग वाहन को मौके पर भेजा। इसके करीब 15 मिनट बाद उसी स्थान पर कार और टैक्सी के बीच दूसरी टक्कर हो गई। रात 2.50 बजे दुर्घटनाग्रस्त कार में आग लग गई।

हादसों के कारण यातायात प्रभावित होने पर एहतियातन रात 2.48 बजे ही उत्तर दिशा की सुरंग बंद कर दी गई थी। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया और वेंटिलेशन पंखे पूरी क्षमता से चलाए गए।



दूसरी टक्कर के बाद कार में लगी आग

दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने के बाद सुबह 4.08 बजे सुरंग यातायात के लिए खोल दी गई।

विलीनीकरण का फैसला दोनों गुट मिलकर करें : छगन भुजबल



नासिक, यश भारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजीत पवार और शरद पवार गुट के संभावित विलय को लेकर जारी राजनीतिक चर्चाओं के बीच मंत्री छगन भुजबल ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों गुटों के विलय का फैसला किसी एक नेता को नहीं, बल्कि सभी नेताओं को मिलकर सामूहिक रूप से लेना चाहिए। गुरुवार को नाशिक में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भुजबल ने कहा कि फिलहाल मीडिया में 'मर्जर-मर्जर' का खेल चल रहा है। यह खेल दोनों गुटों को मिलकर खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजीत पवार के निधन के बाद राजनीतिक परिस्थितियां बदल गई हैं। ऐसे में भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को विश्वास में लिए बिना विलय का फैसला करना उचित नहीं होगा।

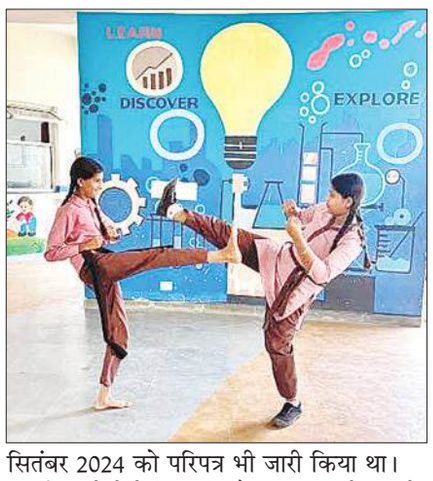
भुजबल ने भरोसा जताया कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सभी नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं से चर्चा करने के बाद उचित समय पर निर्णय लेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके राजनीतिक जीवन में बालासाहेब ठाकरे और शरद पवार का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत संबंधों को बनाए रखना चाहिए।

बेटियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना का अमल अधूरा

मुंबई, यश भारत। बेटियों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में कराटे, जूडो और अन्य आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने की योजनाएं बनाई गई हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। लाखों रुपये का बजट निर्धारित होने के बावजूद मुंबई सहित राज्य के कई स्कूलों की छात्राएं इस सुविधा से वंचित हैं। प्रशिक्षकों की नियुक्ति, नियमित प्रशिक्षण और निधि के उपयोग पर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्कूली शिक्षा विभाग ने सरकारी और स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के स्कूलों में छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने की योजना शुरू की है, लेकिन इसका लाभ कितनी छात्राओं तक पहुंचा, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। अभिभावकों ने दिवाली की छुट्टियों के बाद स्कूलों में प्रशिक्षण शुरू करने की मांग की है।

वहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में भी छात्राओं के लिए तीन महीने का कराटे प्रशिक्षण शुरू करने की मांग की गई थी। महाराष्ट्र की तीसरी महिला नीति (2014) के मुद्दा क्रमांक 6.13 में इसका प्रावधान है। उच्च शिक्षा संचालनालय ने 5



सितंबर 2024 को परिपत्र भी जारी किया था।

टीचर डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रवक्ता राजेश पांडे पंड्या ने कहा कि केवल परिपत्र जारी करना पर्याप्त नहीं है। विभाग को प्रशिक्षकों की नियुक्ति, बजट खर्च और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं की नियमित समीक्षा करनी चाहिए।

महादेव बेटिंग घोटाला में 6,000 करोड़ रुपए की सट्टेबाजी का रैकेट

मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में

मुंबई, यश भारत। 6,000 करोड़ रुपए के महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को विशेष सीबीआई अदालत ने 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ओमान से प्रत्यर्पण के बाद आठ दिनों तक सीबीआई हिरासत में रहे चंद्राकर को गुरुवार (12 नवंबर) को अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने आगे की हिरासत नहीं मांगी।

इस मामले में मुंबई कनेक्शन भी जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण है। जांच एजेंसियों की नजर कथित म्यूल बैंक खातों, डिजिटल भुगतान माध्यमों और हवाला नेटवर्क के जरिए रकम के लेन-देन पर है। हालांकि, मुंबई के किसी व्यक्ति, कंपनी या बैंक खाते के खिलाफ आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

जांच के अनुसार, महादेव ऑनलाइन बुक का नेटवर्क देशभर में फैला था। क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों पर सट्टा लगवाने के लिए फ्रेंचाइजी पैनल और एजेंटों का इस्तेमाल होता था। सट्टे की रकम



कथित तौर पर दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए सैकड़ों बैंक खातों के जरिए घुमाई जाती थी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब पीएमएलए अदालत में आवेदन देकर चंद्राकर की गिरफ्तारी की मांग करने की तैयारी में है। ईडी ने सीबीआई अदालत में गैर-जमानती वारंट तामील कराने की मांग की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। अब जांच का दायरा कथित सहयोगियों और देशभर में फैले वित्तीय नेटवर्क तक पहुंचने की उम्मीद है।

सीबीआई अधिकारी बनकर वृद्ध से 15 लाख की ठगी



मुंबई, यश भारत। सीबीआई अधिकारी बनकर गिरफ्तारी की धमकी देने वाले साइबर ठग ने मुलुंड की टाटा कॉलोनी में रहने वाले 70 वर्षीय वृद्ध से 15 लाख रुपये ठग लिए। आरोपी ने उनके बेटे को भी गिरफ्तार कराने की धमकी देकर दबाव बनाया। मामले में साइबर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, अजय (बदला हुआ नाम) गणेशोत्सव के दौरान अपने पैतृक गांव रत्नागिरी गए थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर खुद को सीबीआई अधिकारी संदीप दिवाण बताया। उसने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक आरोपी के पास अजय के नाम का एटीएम कार्ड मिलने और उनके बैंक खाते से तीन करोड़ रुपये के लेन-देन का दावा किया।

अजय ने बेटे से बात करने की इच्छा जताई तो आरोपी ने उसे भी गिरफ्तार कराने की धमकी दी। मामले से बचाने के नाम पर 30 लाख रुपये मांगे। धमकी से घबराकर अजय ने बताए गए खाते में 15 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का पता चलने पर उन्होंने साइबर पुलिस में शिकायत की।

मकान खाली नहीं करने वालों को पुलिस घर से निकालेगी



मुंबई, यश भारत। लीव एंड लाइसेंस एग्रीमेंट की अवधि समाप्त होने के बाद भी फ्लैट खाली नहीं करने वाले किरायेदारों के खिलाफ मकान मालिकों को बड़ी राहत मिली है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के सभी 15 पुलिस परिमंडलों के पुलिस उपायुक्तों को महाराष्ट्र किराया नियंत्रण अधिनियम, 1999 के तहत सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है। अब मकान मालिक उनके पास शिकायत कर सकते हैं।

आवास विभाग ने 31 जुलाई 2026 को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। अधिनियम की धारा 24 (2) के तहत 1 सितंबर 2026 से फ्लैट का वास्तविक कब्जा मिलने तक लाइसेंसधारक को निर्धारित मासिक किराये का दोगुना नुकसान भरपाई के रूप में देना होगा।

इस व्यवस्था के तहत पश्चिम विभाग-1 के सक्षम प्राधिकारी ने सांताक्रुज पूर्व स्थित जय को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के एक फ्लैट को खाली कराने का आदेश दिया है। प्रकाश दिगंबर देवधर और प्रभा प्रकाश देवधर ने 36 महीने के लिए फ्लैट लीव एंड लाइसेंस पर दिया था। अवधि समाप्त होने के बाद भी कब्जा नहीं मिलने पर उन्होंने 16 अक्टूबर 2026 को पुलिस उपायुक्त के समक्ष आवेदन किया।

सुनवाई और दस्तावेजों की जांच के बाद 24 अक्टूबर को जारी समन के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने मकान मालिकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए फ्लैट का खाली और शांतिपूर्ण कब्जा सभी चाबियों सहित तत्काल सौंपने का आदेश दिया। मुंबई पुलिस ने मकान मालिकों से इस कानूनी व्यवस्था का लाभ उठाने की अपील की है।

ठाणे के रेस्टोरेंट में सुबह-सुबह लगी भीषण आग

फर्नीचर, फ्रिज और इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक



ठाणे, यश भारत। ठाणे पश्चिम के उथलसर इलाके में शुक्रवार सुबह एक रेस्टोरेंट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की इस घटना में रेस्टोरेंट के फर्नीचर, फ्रिज, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने या जान जाने की खबर नहीं है।

ठाणे महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, आग उथलसर नाका स्थित नंदगांवकर हाइट्स की पहली मंजिल के नीचे बने 'माय बार रेस्टोरेंट एंड बार' में लगी। शुक्रवार सुबह करीब 5.42 बजे आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं।

आग बुझाने के लिए दमकल की दो गाड़ियां और एक बचाव वाहन तैनात किया गया। राबोडी पुलिस के जवान भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। दमकलकर्मियों और आपदा प्रबंधन टीम के संयुक्त प्रयासों से सुबह करीब 6.20 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

इस हादसे में रेस्टोरेंट का काउंटर, रेफ्रिजरेटर, मेज-कुर्सियां, टेलीविजन और अन्य सामान क्षतिग्रस्त हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

छठी मइया से सूनी गोद भरने की अरदास

मनोज भावुक के गीत को प्रियंका सिंह ने दी भावपूर्ण आवाज

मुंबई, यश भारत। छठ महापर्व पर सुप्रसिद्ध लोक एवं पार्श्व गायिका प्रियंका सिंह का नया भोजपुरी गीत 'गोदिया में देइ द ललनवा ए छठी मइया' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स से रिलीज हुआ। गीतकार मनोज भावुक के लिखे इस गीत में मातृत्व की लालसा, संतान सुख की अभिलाषा और छठी मइया के प्रति अटूट आस्था को भावुक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है।

गीत में एक स्त्री छठी मइया से अपनी सूनी गोद भरने और आंगन में बच्चे की किलकारी गूंजने की प्रार्थना करती है। ननिहाल और ससुराल के रिश्तों के जरिए संतान की प्रतीक्षा को भी खूबसूरती से दर्शाया गया है।

प्रियंका सिंह इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में छठ महोत्सव में शामिल होकर प्रवासी बिहारियों के बीच लोकसंस्कृति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। गीत का निर्माण रत्नाकर कुमार ने किया है, जबकि संगीत और निर्देशन विनीत शाह का है।



प्रियंका सिंह का नया छठ गीत रिलीज

सिंहगढ़ की 44 संस्थाओं की जांच करेंगे सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग



मुंबई, यश भारत। सिंहगढ़ की 44 संस्थाओं के आर्थिक लेन-देन, संपत्तियों के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने इन संस्थाओं की गतिविधियों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग से कराने का आदेश दिया है।

मामले में पिछले आठ वर्षों से कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्ति संबंधी लाभ नहीं मिलने का मुद्दा भी उठा। बकाया भुगतान के लिए करोड़ों रुपये उपलब्ध कराने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अमल नहीं होने पर न्यायालय ने नाराजगी जताई।

अदालत ने संस्था के संस्थापक ट्रस्टी मारुतीन सहित अन्य ट्रस्टियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साथ ही सवाल उठाया कि कर्मचारियों का वेतन और अन्य देनदारियां इतने वर्षों तक लंबित कैसे रह सकती हैं। न्यायालय ने संस्थाओं की निधियों और संपत्तियों के कथित दुरुपयोग की विस्तृत जांच के साथ ट्रस्टियों की गतिविधियों पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं।

कर्ज माफी के नाम पर ठगी रोकने के लिए बने नियमन

मुंबई हाईकोर्ट का निर्देश



मुंबई, यश भारत। कर्ज माफी और कर्ज समाप्त करने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाली निजी संस्थाओं पर अब शिकंजा कस सकता है। बंबई उच्च न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट नियमन का ढांचा तैयार करने तथा विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति आशिष चव्हाण की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। याचिका में आरोप लगाया गया कि निजी संस्थाएं कर्ज माफी और कानूनी सहायता के आकर्षक विज्ञापन देकर लोगों से भारी सेवा शुल्क वसूलती हैं। कई मामलों में व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग, ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली की शिकायतें भी सामने आई हैं। न्यायालय ने केंद्र सरकार के हलफनामे पर असंतोष जताते हुए कहा कि उसमें याचिका के मूल मुद्दों का समाधान नहीं किया गया है। अदालत ने आरबीआई और केंद्र से गहन अध्ययन कर ठोस नियामक उपाय सुझाने को कहा। आरबीआई भी पहले ऐसी भ्रामक योजनाओं के प्रति लोगों को आगाह कर चुका है।

शिवाजी पार्क में छह साल बाद सबसे शांत दिवाली

बीएमसी और पुलिस की सख्ती से पटाखों पर लगी लगाम, वायु और ध्वनि प्रदूषण में भी कमी



मुंबई, यश भारत। दादर पश्चिम स्थित ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में इस बार वर्षों बाद सबसे शांत दिवाली मनाई गई। बीएमसी और मुंबई पुलिस की सख्ती से पटाखे फोड़ने की घटनाओं में कमी आई और वायु तथा ध्वनि प्रदूषण से स्थानीय निवासियों को राहत मिली।

हर साल दिवाली पर शिवाजी पार्क में बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े जाते थे, जिससे धुएं और शोर की समस्या बढ़ जाती थी। स्थानीय निवासी कई वर्षों से इसकी शिकायत कर रहे थे। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद बीएमसी ने पहली बार पार्क के आसपास साइलेंस जोन के चेतावनी बोर्ड लगाए। पुलिस ने भी नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। स्थानीय नागरिकों और शिवाजी महाराज पार्क एएलएम के हस्तक्षेप के बाद निगरानी और सख्त की गई। निवासियों के मुताबिक, करीब छह साल बाद उन्होंने बिना जहरीले धुएं और तेज आवाज के दिवाली मनाई। उन्होंने छठ पूजा और नए साल पर भी ऐसी ही सख्ती बनाए रखने की मांग की है।

अवैध साहूकारी से खूनी संघर्ष

10 से 15 प्रतिशत मासिक ब्याज वसूली का आरोप

रकम वसूलने के लिए बाहरी लोगों का भी इस्तेमाल

जय सिंह, यश भारत। कुर्ला के माकडवाला कंपाउंड में लगातार हो रही हत्याओं के पीछे अवैध साहूकारी, पठानी ब्याज की वसूली और इलाके में वर्चस्व की लड़ाई होने की आशंका जताई जा रही है। विनोद पवार हत्याकांड में साकीनाका पुलिस ने निहाल पवार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दो परिवारों के बीच पुराने आर्थिक लेन-देन और आपसी दुश्मनी की भी जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, इलाके में पहले झाड़ू बनाने और बेचने का कारोबार करने वाले कुछ परिवार बाद में मजदूरों और कामगारों को ब्याज पर पैसे देने लगे। आरोप है कि छोटी रकम पर भी 10 से 15 प्रतिशत मासिक ब्याज वसूला जाता था। इससे सालाना ब्याज दर 120 से 180 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी।

बताया जाता है कि कर्ज की वसूली के लिए अपने लोगों के साथ बाहरी वसूलीकर्ताओं का भी इस्तेमाल किया जाता था। समय पर रकम नहीं लौटाने पर कर्जदारों पर दबाव बनाया जाता था। ब्याज पर ब्याज जोड़कर उन्हें कर्ज के जाल में फंसाए रखने के आरोप भी हैं।

इसी आर्थिक लेन-देन और वसूली के अधिकार को लेकर दो परिवारों के बीच दुश्मनी बढ़ने की आशंका है। गिरफ्तार निहाल पवार, आशिष पवार का बेटा है। आशिष फिलहाल विनोद के भाई बाबा की हत्या के मामले में जेल में बंद है।

हालांकि, अवैध साहूकारी और हत्याओं के बीच संबंध की पुलिस जांच में पुष्टि होना बाकी है। पुलिस आर्थिक लेन-देन, पुराने विवादों और हत्याकांड की साजिश की कड़ियां खंगाल रही है। महानगर में सक्रिय कथित अवैध साहूकारी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग भी उठ रही है।

मतदाता सूची सत्यापन का 99.94% काम पूरा

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (स्क्रुक्र) अभियान के तहत मतदाता सूची सत्यापन का काम लगभग पूरा हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, राज्य में नोटिस जारी किए गए 1 करोड़ 22 लाख 24 हजार 7 मतदाताओं में से 1 करोड़ 22 लाख 16 हजार 665 मतदाताओं ने आवश्यक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। इस तरह 99.94 प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन पूरा हो चुका है।



1.22 करोड़ मतदाताओं को मिली मंजूरी

नंदुरबार, गढ़चिरौली, ठाणे, नासिक, मुंबई शहर और मुंबई उपनगर सहित कई जिलों में 99 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। आयोग ने बताया कि मतदाता सूची में नाम और फोटो से जुड़ी विसंगतियों वाले 99.57 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर दिया गया है। वहीं, वर्ष 2002-04 की पुरानी मतदाता सूची से मिलान नहीं होने वाले 99.50 प्रतिशत मामलों का भी समाधान किया गया है।

राज्य की प्रारूप मतदाता सूची में कुल 7 करोड़ 71 लाख मतदाता शामिल हैं। अभी 47,247 मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच या जमा करने की प्रक्रिया बाकी है। चुनाव आयोग के मुताबिक, महाराष्ट्र की अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी।

'हम शांत हैं कमजोर नहीं...' -राज ठाकरे

छठपूजा के बहाने महाराष्ट्र में आग लगाने की कोशिश, भाजपा पर सियासी रोटियां सेंकने का आरोप

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने छठपूजा और मराठी-हिंदी विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा छठपूजा के मुद्दे का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र में भाषाई और सांस्कृतिक संघर्ष पैदा करने की कोशिश कर रही है। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में जानबूझकर भाषाई विवाद को हवा दी जा रही है।



राज ठाकरे ने कहा कि पिछले वर्ष मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के मुद्दे पर गुजराती और मराठी समाज के बीच विवाद पैदा किया गया था। भाजपा चुनाव जीतने के लिए दो समुदायों के बीच संघर्ष करवाने की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर छठपूजा से जुड़े वीडियो और रील प्रसारित किए जा रहे हैं। मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाकर भी विवाद खड़ा करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने मराठी समाज से अपील की कि वह भाजपा के बनाए विवादों के जाल में न फंसे, बल्कि सतर्क रहे। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति को याद रखते हुए उचित समय पर जवाब दिया जाएगा।

राज ठाकरे ने चेतावनी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को लूटने और उसकी सांस्कृतिक पहचान बिगाड़ने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि हम शांत हैं, इसका अर्थ यह नहीं कि कमजोर हैं। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी ऐसी राजनीति से सावधान रहने की अपील की।

छठ विवाद के बीच सोनू सूद की एंट्री

15 नवंबर को जुहू बीच पर श्रद्धालुओं संग मनाएंगे महापर्व, सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर दिया न्योता

मुंबई, यशभारत। मुंबई में समुद्र किनारों पर छठ पूजा के आयोजन को लेकर जारी विवाद के बीच बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने 15 नवंबर को जुहू बीच पर श्रद्धालुओं के साथ छठ महापर्व मनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर लोगों को पूजा में शामिल होने का न्योता दिया है।

सोनू सूद के मुताबिक, 15 नवंबर 2026 की शाम जुहू बीच पर होटल पाम ग्रोव के पीछे छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस



पावन पर्व में शामिल होने की अपील की है। उनका यह ऐलान ऐसे समय में आया है, जब मुंबई के समुद्र तटों पर छठ पूजा आयोजित करने को लेकर राजनीतिक विवाद गहराया हुआ है।

दरअसल, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने समुद्र किनारों पर छठ पूजा के आयोजन का विरोध किया है। पार्टी का तर्क है कि इससे समुद्र तटों की स्वच्छता और सुंदरता प्रभावित होती है। साथ ही आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

दूसरी ओर, भाजपा ने मनसे के विरोध पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक आयोजनों का विरोध किया जा रहा है। हर साल मुंबई में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय श्रद्धालु समुद्र किनारों पर छठ पूजा करते हैं। ऐसे में सोनू सूद के जुहू बीच पहुंचने के ऐलान ने इस विवाद को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

मंत्री के बंगले में आग से जागी सरकार

वनमंत्री गणेश नाईक ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

मंत्रालय से मंत्रियों के सरकारी आवासों तक अग्नि सुरक्षा जांच की मांग



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के वनमंत्री गणेश नाईक के दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित सरकारी बंगले के ड्राइंग रूम में आग लगने की घटना के बाद सरकारी इमारतों की अग्नि सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, इस घटना को गंभीरता से लेते हुए नाईक ने राज्य के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल से मंत्रालय सहित पूरे महाराष्ट्र की सरकारी इमारतों और मंत्रियों के सरकारी बंगलों का तत्काल फायर ऑडिट कराने की मांग की है। मुंबई के मलबार हिल और नरीमन पॉइंट इलाके में कई मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सरकारी आवास हैं। ऐसे में इन इमारतों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की नए सिरे से जांच जरूरी मानी जा रही है।

गौरतलब है कि करीब 14 साल पहले मंत्रालय में भीषण आग लगने की घटना हुई थी। इसके बाद सरकारी संपत्तियों का फायर ऑडिट अनिवार्य किया गया था। इसके बावजूद मंत्री के बंगले में आग लगने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रस्तावित जांच में बिजली के तारों, अग्निशमन उपकरणों, पानी की उपलब्धता, धुआं पहचानने वाले यंत्रों और आपातकालीन निकासी मार्गों की जांच शामिल होनी चाहिए। साथ ही सरकारी बंगलों के आसपास सूखे पेड़ों और ज्वलनशील कचरे से पैदा होने वाले खतरों का भी आकलन जरूरी है।

दिवाली की चमक के बाद कचरे का अंबार

पांच दिनों में 443 मीट्रिक टन अतिरिक्त कचरा जमा, पटाखों के अवशेष और गिफ्ट पैकिंग ने बढ़ाया बोझ

मुंबई, यशभारत। दिवाली के त्योहार के बाद मुंबई में कचरे का बोझ बढ़ गया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने दिवाली के पांच दिनों में शहर से 443 मीट्रिक टन अतिरिक्त कचरा एकत्र किया। इसमें पटाखों के अवशेष, मिठाइयों के डिब्बे, उपहारों के बॉक्स और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री प्रमुख रूप से शामिल है।

बीएमसी के आंकड़ों के मुताबिक, 7 से 11 नवंबर के बीच मुंबई में कुल 36,445 मीट्रिक टन कचरा जमा हुआ, जबकि सामान्य दिनों में इसी अवधि के दौरान



करीब 36,002 मीट्रिक टन कचरा निकलने का अनुमान था। इस तरह दिवाली के कारण कचरे की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

इस अतिरिक्त कचरे को उठाने और निर्धारित केंद्रों तक पहुंचाने के लिए बीएमसी को विशेष व्यवस्था करनी पड़ी। इन पांच दिनों में कचरे के परिवहन के लिए 6,787 चक्कर लगाए गए। 7 नवंबर को सबसे अधिक 7,810 मीट्रिक टन कचरा एकत्र हुआ। एकत्रित कचरे को कांजुरमार्ग स्थित प्रसंस्करण केंद्र भेजा गया। दिवाली के बाद बढ़े कचरे ने शहर की सफाई व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण को लेकर नई चुनौती खड़ी कर दी है।

अजीतदादा के निधन के बाद राष्ट्रवादी के विलय का अध्याय समाप्त -सुप्रिया सुले



मुंबई, यशभारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस के शरद पवार और अजीत पवार गुट के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं पर सांसद सुप्रिया सुले ने विराम लगा दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अजीत पवार के जीवित रहते दोनों राष्ट्रवादी गुटों को एकजुट करने और विलय को लेकर बातचीत चल रही थी, लेकिन उनके निधन के बाद यह विषय समाप्त हो गया। सुप्रिया सुले ने भावुक होते हुए कहा, 'मेरा भाई चला गया और उसके साथ ही वह विषय भी समाप्त हो गया।' उन्होंने बताया कि अजीत पवार के निधन के बाद विलय को लेकर उनके पास कोई प्रस्ताव नहीं आया है और न ही इस संबंध में फिलहाल कोई बातचीत चल रही है।

शरद पवार से अजीत पवार गुट के नेताओं और परिवार के सदस्यों की मुलाकातों को लेकर पूछे गए सवाल पर सुप्रिया सुले ने कहा कि कौन किससे मिलता है, यह उनका आंतरिक मामला है। इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

सुप्रिया सुले के इस बयान से राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। उनके बयान को महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सड़कों पर दौड़ेंगी 1,500 नई इलेक्ट्रिक बसें

मार्च 2027 से शुरुआत, दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सुविधा

मुंबई, यशभारत। महानगर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बेस्ट ने 1,500 वातानुकूलित विद्युत छोटी बसें शामिल करने की तैयारी की है। इसके लिए ईकेए और स्विच कंपनियों के साथ समझौता किया गया है। इन बसों के संचालन से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और मेट्रो रेल केंद्रों तक पहुंचना आसान होगा।

समझौते के अनुसार, ईकेए कंपनी 1,050 और स्विच कंपनी 450 बसों की आपूर्ति करेगी। इनका संचालन 12 वर्ष के अनुबंध के तहत किया जाएगा। नौ मीटर लंबी प्रत्येक बस में 28 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष स्थान और चढ़ने-उतरने हेतु ढलानयुक्त पट्टी भी उपलब्ध होगी। एक बार पूरी तरह विद्युत ऊर्जा से चार्ज होने पर ये बसें कम से कम 200 किलोमीटर तक चल सकेंगी। इनमें निगरानी कैमरे, स्थान निर्धारण प्रणाली, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और मोबाइल दूरभाष को चार्ज करने की सुविधा होगी। योजना के अनुसार, पहली 225 बसें मार्च 2027 तक सड़कों पर उतारी जाएंगी।

केईएम की बंद लिफ्ट पर जागा प्रशासन

30 दिनों में शुरू होगी सेवा, दो नई लिफ्ट लगाने की भी तैयारी, उपमहापौर संजय घाड़ी ने किया दौरा

मुंबई, यशभारत। परेल स्थित केईएम अस्पताल में बंद पड़ी लिफ्ट को लेकर मुंबई के उपमहापौर संजय घाड़ी ने गुरुवार को अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने डीन डॉ. हरीश पाठक और अन्य डॉक्टरों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। घाड़ी ने आश्वासन दिया कि पुरानी लिफ्ट की जगह नई लिफ्ट लगाने का काम पूरा हो चुका है और इसे अगले 30 दिनों के भीतर शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित विभाग की लिफ्ट 39 साल पुरानी थी और उसकी कार्यक्षमता समाप्त हो चुकी थी। अस्पताल प्रशासन ने दो नई लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव मुंबई महानगरपालिका को भेजा है। इसे महापौर और मनपा आयुक्त से चर्चा के बाद जल्द मंजूरी दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

दौरे के दौरान घाड़ी ने विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की तथा लिफ्ट बंद होने से हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल मरीजों को फिलहाल मुख्य इमारत में भर्ती किया जा रहा है। छठ पूजा पर उन्होंने कहा कि मनपा किसी धर्म या त्योहार के विरोध में नहीं है। पिछले कई वर्षों से छठ पूजा के लिए कृत्रिम तालाब बनाए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर घोषणाएं भी यात्रियों की सुविधा और सही जानकारी देने के उद्देश्य से होनी चाहिए।

अडानी के सातारा प्रोजेक्ट की लागत में 99% कटौती

227 करोड़ की जगह जमा किए सिर्फ 2.27 करोड़ रुपए, केंद्र ने दिए जांच के आदेश

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के सातारा जिले में अडानी ग्रीन एनर्जी के 1,500 मेगावाट क्षमता वाले तारली पंप्ड स्टोरेज बिजली प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कंपनी ने इस परियोजना की अनुमानित लागत 5,675 करोड़ रुपए से घटाकर महज 56.75 करोड़ रुपए दर्शाई है। इसका सीधा असर वन्यजीव संरक्षण के लिए जमा होने वाली राशि पर पड़ा है। पहले कंपनी को 227 करोड़ रुपए जमा करने थे, लेकिन संशोधित लागत के आधार पर यह रकम घटकर सिर्फ 2.27 करोड़ रुपए रह गई।

मामले का खुलासा होने के बाद केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 6 नवंबर को महाराष्ट्र वन विभाग को प्राथमिकता के आधार पर



जांच करने के आदेश दिए हैं। राज्य वन विभाग ने भी जांच शुरू कर दी है। यह परियोजना कोयना वन्यजीव अभयारण्य के संवेदनशील क्षेत्र और सह्याद्रि टाइगर रिजर्व के आसपास स्थित है। वन्यजीव संरक्षण के लिए परियोजना लागत का चार प्रतिशत जमा करना अनिवार्य किया गया था। वन्यजीव संरक्षक रोहन भाटे ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए लागत में भारी कटौती पर सवाल उठाए हैं। वहीं, अडानी समूह का कहना है कि परियोजना पूरी तरह निजी जमीन पर है और इसमें वन भूमि शामिल नहीं है। कंपनी ने लागत घटाने के फैसले पर उठे सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दिया है।

बॉलीवुड की सुरक्षा को लेकर सरकार सख्त

धमकी देने वालों को मंत्री आशीष शेलार की दो टूक

मुंबई, यशभारत। मुंबई में फिल्मी हस्तियों और बॉलीवुड से जुड़े लोगों को लगातार मिल रही धमकियों के बीच महाराष्ट्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को लेकर भरोसा दिलाया है। राज्य के मंत्री आशीष शेलार ने कहा है कि मुंबई में किसी को डरने की जरूरत नहीं है। यहां डरना मना है। सरकार बॉलीवुड और फिल्म उद्योग से जुड़े सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री शेलार ने कहा कि मुंबई पुलिस धमकी भरे फोन और संदेशों के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। खास तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए किए जा रहे फोन कॉल की जांच की जा रही है,



ताकि फर्जी धमकियों और वास्तविक खतरों के बीच अंतर किया जा सके। पुलिस दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की दिशा में काम कर रही है।

मंत्री शेलार ने कहा कि मुंबई पुलिस धमकी भरे फोन और संदेशों के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। खास तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए किए जा रहे फोन कॉल की जांच की जा रही है, ताकि फर्जी धमकियों और वास्तविक खतरों के बीच अंतर किया जा सके। पुलिस दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की दिशा में काम कर रही है।

शेलार का यह बयान अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर 18 अक्टूबर को जुहू में हुई गोलीबारी के बाद आया है। इस घटना में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, जबकि उनके चालक को चोट आई थी। लगातार मिल रही धमकियों के कारण फिल्म जगत में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। शेलार ने भरोसा दिलाया कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और मुंबई पुलिस सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सक्रिय है।

देश में आखिरी दम तक कायम रहेंगे नेहरू के विचार -संजय राऊत

कांग्रेस के 'भारत भाग्यविधाता' कार्यक्रम में सपकाल ने कहा- नेहरू के रास्ते पर ही आगे बढ़ेगा देश



मुंबई, यशभारत। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि देश की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे दूरदर्शी और वैज्ञानिक सोच वाले प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिलना भारत के लिए गर्व की बात है। नेहरू ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी और देश को विकास की दिशा दिखाई। उनके विचारों और रास्ते पर चलकर ही भारत आगे बढ़ सकता है। वे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से नेहरू की 137वीं जयंती पर तिलक भवन में आयोजित 'भारत भाग्यविधाता' विशेष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर शिवसेना सांसद संजय राऊत ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी और भाजपा ने नेहरू का कितना भी मूर्ति भंजन कर लिया, लेकिन देश में आखिरी दम तक नेहरू के विचार कायम रहेंगे। नेहरू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के सच्चे समर्थक थे। आलोचकों के खिलाफ उन्होंने कभी सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने भाखड़ा-नांगल बांध, आईआईटी और परमाणु ऊर्जा केंद्रों के माध्यम से देश को वैज्ञानिक विकास की राह दिखाई। सपकाल ने कहा कि नेहरू ने 11 साल जेल में बिताए और इस दौरान 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' तथा 'वर्ल्ड हिस्ट्री' जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं। उन्होंने भूमि सुधार और कुल कानून के जरिए आम लोगों को अधिकार दिलाने का काम किया।

पूर्व सांसद कुमार केतकर ने कहा कि आज दुनिया युद्ध और अशांति के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में नेहरू की वैश्विक दृष्टि और शांति का संदेश बेहद प्रासंगिक है। कार्यक्रम में कला, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्र की कई हस्तियों को सम्मानित भी किया गया।

हाथों में कलछी लाखों में कमाई

मुंबई में महीने के 1.05 लाख रुपये कमाने वाले रसोइये की थाईलैंड जाने की तैयारी

मुंबई, यशभारत। मुंबई में काम करने वाले एक रसोइये की कमाई इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। वह हर महीने 1.05 लाख रुपए कमाता है और अब अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में थाईलैंड जाने की तैयारी कर रहा है। उसकी



आर्थिक स्थिति की तुलना उसके नियोक्ता ने अपने एमबीए करने वाले दोस्तों से की है, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। हालांकि, उसकी कमाई का मुख्य आधार एक ही नौकरी नहीं, बल्कि अलग-अलग घरों और फिल्म यूनिट में खाना बनाने का काम है। वह चार नियोक्ताओं के यहां काम करता है। एक घर से 18 हजार, दूसरे से 16,500 और तीसरे परिवार से 38 हजार रुपए मिलते हैं। इसके अलावा फिल्म की रातभर चलने वाली शूटिंग में खाना बनाने के लिए उसे प्रति रात 7,500 रुपए मिलते हैं।

उसकी पत्नी भी 45 हजार रुपए प्रतिमाह कमाती है। इस तरह परिवार की कुल मासिक आय करीब डेढ़ लाख रुपए है। मुंबई में रहने वाला यह 34 वर्षीय रसोइया खर्चों पर नियंत्रण रखता है। उसने किस्तों पर नया आईफोन प्रो खरीदा है। अब वह पहली बार हवाई यात्रा, पासपोर्ट और विदेश घूमने का अनुभव लेने के लिए थाईलैंड जाने की योजना बना रहा है। उसके नियोक्ता मनुराज गर्ग ने लिंक्डइन पर यह अनुभव साझा करते हुए बताया कि अच्छी आर्थिक स्थिति केवल बड़ी डिग्री या ऊंचे पद से नहीं, बल्कि आमदनी, खर्च और बचत के संतुलन से बनती है।

मंत्रालय की थाली में गुजराती नाश्ते की बहार

ढोकला-दाबेली की एंट्री, कांदेपोहे की छुट्टी, 54 व्यंजनों का नया मेन्यू तैयार

मुंबई, यशभारत। ,महाराष्ट्र के मंत्रालय और विधानभवन की कैंटीन में अब खानपान का स्वाद बदलने जा रहा है। राज्य सरकार ने दोनों कैंटीन के लिए 54 खाद्य पदार्थों का नया मेन्यू तैयार किया है। इसमें गुजराती, दक्षिण भारतीय और उत्तर भारतीय व्यंजनों को प्रमुखता दी गई है। हालांकि, महाराष्ट्र के लोकप्रिय नाश्ते कांदेपोहे को जगह नहीं मिलने से नए मेन्यू पर सवाल उठने लगे हैं।

नई सूची में मूंग ढोकला, सफेद ढोकला और कच्छी दाबेली जैसे गुजराती व्यंजनों के



साथ पुणेरी मिसल, शेगांव कचोरी और कोथिंबीर वड़ी भी शामिल हैं। दक्षिण भारतीय व्यंजनों में पालक इडली, मूंग इडली, वेज इडली, मसाला डोसा, पेपर डोसा और प्याज उत्तपम परोसे जाएंगे। इसके अलावा बीट कबाब, हरा-भरा कबाब और सब्जियों का सूप भी उपलब्ध होगा। सरकार का कहना है कि इस बदलाव का उद्देश्य कर्मचारियों और अधिकारियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में समोसे, बटाटे वड़े और भजिया जैसे तले हुए खाद्य पदार्थों को सीमित करने की पहल की गई है। चाय-कॉफी के स्थान पर नींबू चाय और हरी चाय को बढ़ावा देने का भी निर्णय लिया गया है।

नए मेन्यू में कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित की गई हैं। अधिकांश व्यंजनों की कीमत में पांच रुपये का अंतर रखा गया है।

मंत्रालय की थाली से चपाती गायब, पाव के भरोसे तीन हजार कर्मचारी

मंत्रालय की कैंटीन में चपाती बंद होने से सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की परेशानी बढ़ गई है। यहां प्रतिदिन करीब तीन हजार लोग भोजन करते हैं। फिलहाल, दाल-चावल के साथ पाव दिया जा रहा है, लेकिन कई कर्मचारी स्वास्थ्य और खानपान संबंधी कारणों से पाव खाना पसंद नहीं कर रहे हैं। कैंटीन के नवीनीकरण के चलते चपाती बनाने की व्यवस्था प्रभावित हुई है। तवे पर चपाती बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन अत्यधिक गर्मी के कारण अग्नि सुरक्षा अलार्म बजने लगा। इसके बाद यह व्यवस्था रोकनी पड़ी। नासिक, पुणे, कर्जत, कसारा, डहाणू और विरार जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से मंत्रालय आने वाले कर्मचारी भी इसी कैंटीन पर निर्भर हैं। कर्मचारियों ने भोजन में चपाती का विकल्प फिर से शुरू करने की मांग की है।

चिंतन-मनन

विकास की कसौटी

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आर्थिक विकास के आंकड़े, बढ़ता बुनियादी ढांचा, एक्सप्रेसवे, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल सेवाएं और औद्योगिक विस्तार देश की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विकसित भारत का सपना भी इसी प्रगति की मजबूत नींव पर खड़ा है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल लगातार सामने आता है कि क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या आम आदमी का जीवन उतना ही आसान और सुरक्षित हुआ है, जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है? आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह निश्चित रूप से उत्साहजनक उपलब्धि है। आर्थिक विकास से निवेश, उत्पादन, व्यापार और सरकारी राजस्व के अवसर बढ़ते हैं। इसके लिए सरकार की नीतियों, उद्योगों की भूमिका और बुनियादी ढांचे के विस्तार का महत्व भी स्वीकार करना होगा। हालांकि, जीडीपी की वृद्धि अपने आप में आम नागरिक की आर्थिक खुशहाली का पूरा प्रमाण नहीं हो सकती। विकास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उसका लाभ किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, नौकरीपेशा व्यक्ति, युवा और मध्यमवर्गीय परिवार तक पहुंचे। आज आम परिवार की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार है। एक सामान्य परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई, मकान के किराये, राशन, बिजली और चिकित्सा पर खर्च करता है। निजी अस्पतालों में इलाज और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस लगातार बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। सरकारी अस्पतालों और विद्यालयों पर भी आबादी का दबाव है। ऐसे में आर्थिक विकास के आंकड़ों के साथ यह देखना भी जरूरी है कि आम आदमी की बचत बढ़ रही है या उसकी आय का अधिकांश हिस्सा जरूरी खर्चों में समाप्त हो रहा है। देश के सामने रोजगार का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास डिग्रियां हैं, तकनीकी शिक्षा है और आगे बढ़ने की आकांक्षा भी है, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप स्थायी रोजगार मिलना अभी भी बड़ी चुनौती है। केवल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि आधारित व्यवसायों और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगे। स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्यमियों को आसान ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की प्राथमिकता बनाना भी आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर कम करना होगा। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, दवाएं, जांच सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा इतनी सुलभ हो कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी वर्षों की बचत या संपत्ति गंवानी न पड़े। विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी है। किसान की आय, कृषि की लागत, सिंचाई, फसल का उचित मूल्य और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी विकास के मूल्यांकन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार के लिए आवश्यक है कि बजट और नीतियां बनाते समय बड़े निवेश और विकास दर को प्राथमिकता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल, सस्ती आवास व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। योजनाओं की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका लाभ कितने लोगों तक पहुंचा और उनके जीवन में कितना वास्तविक बदलाव आया। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का लक्ष्य नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक आकांक्षा है। आर्थिक शक्ति और आधुनिक तकनीक इस लक्ष्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन अंतिम मंजिल नागरिकों की खुशहाली है। देश तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब किसी गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े, किसी परिवार को इलाज के अभाव में परेशानी न झेलनी पड़े और किसी युवा को रोजगार के लिए अपनी योग्यता से समझौता न करना पड़े। जीडीपी देश की आर्थिक प्रगति बताती है, लेकिन आम आदमी के चेहरे की संतुष्टि ही विकास की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटी क्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्यों बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-14 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष — इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
ंरुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या — ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर — भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

14 नवंबर बाल दिवसः अधिकार, संस्कार और सुनहरे भविष्य का संकल्प

बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनकी शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें सुरक्षित एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का भी अवसर है, जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। वास्तव में, बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण से बचाकर उनके अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें अच्छी शिक्षा एवं समुचित पोषण उपलब्ध कराना और उनके संपूर्ण विकास के लिए सुरक्षित तथा खुशहाल वातावरण तैयार करना है, ताकि वे देश के बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।गौरतलब है कि वर्ष 1889 में जन्मे पंडित जवाहरलाल नेहरू की वर्ष 2026 में 137वीं जयंती है। वर्ष 1964 में उनके निधन के बाद से 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई और इस वर्ष इसका 63वाँ आयोजन है। वहीं, प्रतिवर्ष 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (विश्व बाल दिवस) मनाया जाता है। इस अवसर पर यूनिसेफ बच्चों के अधिकारों, कल्याण और उनके बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता देता है तथा प्रतिवर्ष इस दिशा में एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज रफ्तार युग में जी रहे हैं। ऐसे में बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के बदलते बचपन और उनके सामने उभरती नई चुनौतियों पर गंभीर चिंतन करने का अवसर भी बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के बच्चे मिट्टी के खिलौनों और दादी-नानी की कहानियों की दुनिया से निकलकर स्मार्टफोन, टैबलेट और एल्गोरिदम की आभासी दुनिया में बड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर एआई ने व्यक्तिगत शिक्षा, त्वरित ज्ञान और दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर तैयारशुदा और पलभर में मिलने वाले उत्तरों की सुविधा ने उनकी मौलिक कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और स्वयं प्रयास करके सीखने की प्रवृत्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।ऐसे में इस बाल दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता यही है कि हम बच्चों को तकनीक का गुलाम बनाने के बजाय उसका विवेकशील उपयोगकर्ता बनाएं। उनके हाथों में स्मार्ट उपकरण थमाने के साथ-साथ उनके भीतर मानवीय संवेदनाओं, खेल के मैदान की ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ाव की लौ भी जीवित रखें। तकनीक उनके ज्ञान और विकास का साधन बने, न कि उनके स्वाभाविक बचपन और रचनात्मकता पर हावी होने का माध्यम।

वास्तव में, बाल दिवस आत्ममंथन करने का दिन है कि हम अपने बच्चों को कैसा बचपन और कैसा भविष्य दे रहे हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम उम्र में ही उनके मन-मस्तिष्क पर हावी होने लगा है, तब बच्चों के विकास को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। सच तो यह है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे पहले उन्हें सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और भयमुक्त वातावरण देना जरूरी है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि बच्चे का व्यक्तित्व केवल स्कूल की चारदीवारी में नहीं बनता, बल्कि परिवार, समाज, मित्रों और परिवेश से भी आकार लेता है। माता-पिता



का समय, उनका व्यवहार, आपसी संवाद और दिए गए संस्कार बच्चे के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की बुनियाद होते हैं। अतः आज जरूरत इस बात की है कि माता-पिता बच्चों पर अपनी अपेक्षाएँ थोपने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और भावनाओं को समझें तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर दें।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों में कहें तो, मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। अर्थात् शिक्षा भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना और नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील तथा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।सच तो यह है कि बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने, नई चीजें सीखने और अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। रटने और अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलकर शिक्षा को रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जोड़ना समय की मांग है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा करना ही नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही-गलत में अंतर समझना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सिखाए।

आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया तक सीमित रखने के बजाय मैदान, पुस्तकालय, प्रकृति और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना भी बेहद जरूरी है। बच्चों के विकास में खेलकूद, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या की अहम भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व, धैर्य और हार को स्वीकार करने की सीख भी देते हैं। इसी तरह संगीत, साहित्य, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को समृद्ध करती हैं।इसके साथ ही,आज बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें समझना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है तो किसी की साहित्य, खेल, संगीत या कला में। किसी की सीखने की गति तेज होती है तो किसी को थोड़ा अधिक समय चाहिए। ऐसे में बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें अपमानित करना और असफलता को अपराध की तरह देखना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।बच्चों में संवेदनशीलता, समानता, पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे जीवन-मूल्यों का विकास भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी केवल उन्हें सफल व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनाना भी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात तब तक अधूरी है, जब तक समाज उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। बाल श्रम, बाल विवाह, शोषण, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा से वंचित बच्चों की समस्याओं के प्रति समाज को गंभीर होना होगा। प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलना उसका मौलिक अधिकार है, किसी का उपकार नहीं।यह भी जरूरी है कि परिवार, विद्यालय, समाज और सरकार मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ बच्चे बिना किसी भय और दबाव के अपनी प्रतिभा को निखार सकें। उनकी बात सुनी जाए, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा जाए। बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, इसके लिए सामाजिक संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें हर बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित हो। यह अवसर हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें तथा समाज उन्हें बाल श्रम, शोषण और अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए सजग रहे।बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, प्रेम, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि आज के बच्चों को उचित मार्गदर्शन, शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, तो कल का भारत स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। हर बच्चे को खिलखिलाने, खेलने, अपनी जिज्ञासाओं को उड़ान देने और सपनों को साकार करने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

अंततः, बाल दिवस की सच्ची सार्थकता केवल समारोहों, भाषणों और उपहारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देनी चाहिए, क्योंकि जिस समाज का बचपन सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल होता है, उसी समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार)

स्त्री-प्रश्नों पर मूक होता समाज

सद्य विवाहिताओं की मृत्यु के मामले अक्सर मीडिया में चर्चित होते रहते हैं। इन मामलों में देखने में आता है कि इनकी शिकार बनने वाली महिलाएं लगातार ऐसी परिस्थितियों के बीच रहने को विवश होती हैं जिनमें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए जीना मुश्किल होता है। ऐसे मामले होने के बाद लड़कियों के घरवाले ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना सहित कई तरह के आरोप लगाते हैं और उन्हें मरने हेतु विवश करने या जान लेने का दोषी बताते हैं। इन सभी मामलों में सबसे कॉमन चीज यह है कि दहेज के लालच में या लड़की के परिवार से पैसे ऐंठने के चक्कर में ऐसी घटनाएं होती हैं। एक सामाजिक के रूप में दहेज देने वाला अपराध में, दहेज लेने वाले के बराबर ही हिस्सेदार होता है। लड़के के साथ ही लड़की के माता-पिता भी इसमें बराबर के दोषी होते हैं।

हमारे देश में दहेज हत्या की दर बहुत चिंताजनक है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 से लागू होने के बावजूद दहेज की वजह से होने वाली मृत्यु में वृद्धि इस प्रथा की लगातार बढ़त को दर्शाती है। दहेज के लिए अब भी बहुत महिलाओं को उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में कई सारी धाराएं हैं जिनमें आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन लम्बी जाँच प्रक्रिया की वजह से दोषियों को सजा मिलना दुर्लभ बना हुआ है। गवाही देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता, जानते-बुझते सब अपना मुँह सी लेते हैं, ऐसे में सजा हो पाना सम्भव ही नहीं रह जाता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में 2017 से 2022 के बीच प्रतिवर्ष औसतन 7,000 दहेज से संबंधित हत्याएँ दर्ज की गईं। इन आँकड़ों में वे मामले शामिल नहीं होते जिनकी शिकायत नहीं की जाती। विश्व बैंक द्वारा वर्ष 1960 से 2008 तक ग्रामीण भारत में किये गए एक अध्ययन में पाया गया कि 95% शादियों में दहेज दिया गया था। यानी दहेज शादी का पर्याय हो चुका है।

दहेज के कारण बड़ी संख्या में होने वाली मौतों के बावजूद इस प्रथा का जारी रहना यह बताता है कि किसी सामाजिक समस्या को कानून बनाने मात्र से हल नहीं किया जा सकता। पिछले सालों में जिस तरह की भव्य शादियों का ट्रेंड हुआ है इससे यह कुप्रथा और भी बढ़ रही है। आत्मनिर्भर और शिक्षित लड़कियों की शादियों में भी खुलकर दहेज दिया जा रहा है। फिर कैसे यह सब रुकेगा जब समाज इसका भिन्न-भिन्न कारण बताकर महिमामंडन भी किए जा रहा है? यह प्रथा महिलाओं का वस्तुकरण करती है और पितृसत्तात्मक समाज में लैंगिक भेदभाव को बनाए रखने का माध्यम बनती है। दहेज का मुद्दा एक समाज के रूप में हमारे लिए विषय कभी नहीं बनता। इसमें सभी बराबर के भागीदार हैं। बेटी को दहेज दिया ही इसलिए जाता है कि उसका हिसाब बेटे की शादी में कर लिया जाएगा। दहेज किस तरह भारतीय पारिवारिक व्यवस्था में औरत को दोयम दर्जे पर बनाए रखने की पुख्ता व्यवस्था करता है इस पर कोई बहस नहीं होती। दहेज आर्थिक मसला नहीं है न केवल यह महिलाओं की शिक्षा या आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। यह पूरी व्यवस्था पैतृक सम्पत्ति से स्त्रियों को अलग करने और ताउम्र उन्हें पुरुष पर निर्भर रखने के लिए बनाई गई है। बेटी को सम्पत्ति के हक से महरूम करना और दहेज देना एक ही विषय के दो पहलू हैं। सम्पत्ति में हक नहीं देना पड़े इसीलिए दहेज दिया जाता है। इससे लड़कियाँ अहसान के रूप में उम्रभर भावनात्मक रूप से अपने परिवार पर निर्भर बनी रहती हैं। यह स्त्रियों को सदैव पराधीन बनाए रखने का तन्त्र है जिसे थोड़ा नुकसान झेलकर बनाए रखा जा सकता है। लड़की को दिए जाने वाले दहेज पर भी उसका अपना कोई हक नहीं होता वह अगले परिवार की सम्पत्ति है। बहुत सारा दहेज देकर विदा की हुई बेटी भी अपने घर में लौट नहीं सकती है। कोई समस्या होने पर अधिकांश लड़कियों का परिवार उन्हें अकेला छोड़ देता है और मृत्यु तक सब कुछ ठीक होने का इंतज़ार करता है। यह किस दर्जे की क्रूरता है? भारत में विवाह जहाँ एक सामाजिक मसला है वहीं विवाह में आने वाली समस्या को निजी माना गया है। इन दोनों के अन्तर्विरोध से भारतीय विवाह समस्याओं और संकटों के कुरुक्षेत्र बनने को बाध्य रहते हैं। सामाजिक दबाव के कारण परिवार दहेज मांगों को पूरा करना जहाँ अपनी मजबूरी मानते हैं वहीं इस वजह से होने वाली हिंसा का सामान्यीकरण किया जाता है। उत्पीड़न और हिंसा के अनेक मामलों की रिपोर्ट ही नहीं की जाती। समाज दहेज लोभी परिवारों का विरोध करने की बजाय इस गैरकानूनी प्रथा को प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से बढ़ावा देने का काम करता है। इस पूरी व्यवस्था में महिलाएं, भले ही वह माँ हो या सास पितृसत्ता की सबसे बड़ी पैरोकार बनकर खड़ी होती हैं। वे लड़की के होने को, उसकी सगाई टूटने को, शादी के बाद वापस घर लौटने को, अलग हो जाने को, लड़की के अस्मिता बोध को परिवार के लिए शर्म की तरह परिभाषित करती हैं। इस तरह लड़की के लिए स्वयं को बचाए रखने का कोई रास्ता समाज नहीं छोड़ता।प्रश्न यह है कि क्या इन मौतों से हमारे समाज को कोई फ़र्क पड़ता है, फ़र्क यदि पड़ता तो देशभर में रोज-रोज ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहती? लोग इन घटनाओं को सामाजिक व्यवस्था की उपज और अनिवार्य स्थिति नहीं मानते बल्कि दुर्घटनाओं की तरह मानते हैं। इससे उन्हें इन घटनाओं के पीछे की कहानी में अपनी भूमिका को विश्लेषित नहीं करना पड़ता, वे स्वयं अपराध-बोध से मुक्त रहते हैं। ऐसी मनोवृत्ति में ही इस तरह की घटनाएँ दोहराई जाती रहती हैं। इन्हें लड़की का दुर्भाग्य मानकर छोड़ दिया जाता है। यही कारण है कि ऐसे आरोप वाले परिवारों में लोग अपनी बेटियां देने में नहीं हिचकते, उन लड़कों का बहुत जल्द पुनर्विवाह हो जाता है। लड़की के मरने को समाज में समस्या के तौर पर नहीं देखा जाता बल्कि शर्म मानकर उसे दबा दिया जाता है। समाज की स्मृति में इन हत्याओं का कोई स्थान नहीं होता। दहेज के लिए होने वाली हत्याओं में कितनों को सजा होती हैं, वे केस फिर कुछ ले-देकर उठा लिए जाते हैं। जब तक समाज में महिलाओं को अपने निर्णय लेने की आजादी नहीं होगी तब तक ऐसे मामले होते ही रहेंगे। अकेले व्यक्ति से गलती हो सकती है लेकिन एक व्यवस्था जिस गलती को सालों-साल दोहराती है वह गलती नहीं सामाजिक निर्णय होता है। उन निर्णयों के बदलने हेतु सामाजिक संरचना को बदलना आवश्यक होता है। लड़कियों को ही अपने बारे में सोचना पड़ेगा। माता-पिता पर भावनात्मक निर्भरता ठीक है किन्तु अपनी कदर भी उन्हें करनी सीखनी चाहिए। उन्हें ही अपने लिए रास्ते बनाने होंगे, समाज उनके लिए सदैव से एक बंद रास्ता ही है।

(डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना -यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण



2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

भाईदूज पर जेलों में गूंजा भाई-बहन के प्रेम का उल्लास

6 हजार बंदियों से मिले 20 हजार परिजन, खुली मुलाकात की विशेष व्यवस्था

भोपाल, यश भारत।

भाईदूज के अवसर पर प्रदेश की जेलों में बंदियों को अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिला। जेल महानिदेशक वरुण कपूर की पहल पर प्रदेश की तीन केंद्रीय जेलों ग्वालियर सागर एवं सर्किल जेल शिवपुरी सहित इनके अधीनस्थ जेलों में विशेष खुली मुलाकात का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनें अपने बंदी भाइयों से मिलने पहुंचीं। उन्होंने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं महिला बंदियों से मिलने उनके भाई और अन्य परिजन भी पहुंचे। लंबे समय बाद परिवार के सदस्यों और छह वर्ष तक की उम्र के बच्चों से मिलकर बंदियों के चेहरे खिल उठे। कई जगह भावुक मिलन के दौरान खुशी के आंसू भी छलक पड़े। जेल प्रशासन ने इस आयोजन के लिए विशेष इंतजाम किए थे। बंदियों और परिजनों की सुविधा के लिए जेल परिसर के खुले स्थानों में मुलाकात की व्यवस्था की गई। सुरक्षा और निगरानी के बीच पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदेशभर में करीब 6 हजार बंदियों से लगभग 20 हजार परिजनों ने मुलाकात की। इस पहल को बंदियों के पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव को बनाए रखने तथा उनके सुधार और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।



छठ पर्व पर अहमदाबाद-राजगीर के बीच चलेगी एक और अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद। छठ पूजा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद और राजगीर के बीच एक और अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। विशेष किराये पर संचालित यह ट्रेन दो फेरे लगाएगी। इससे त्योहार पर बिहार जाने और लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद-राजगीर स्पेशल 12 नवंबर गुरुवार को रात 11.55 बजे अहमदाबाद से रवाना होकर शनिवार सुबह 11.45 बजे राजगीर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09448 राजगीर-अहमदाबाद स्पेशल 14 नवंबर शनिवार को दोपहर 2.45 बजे राजगीर से रवाना होकर अगले दिन रात 11.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, हिण्डौन सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, पटना साहिब, बख्तियारपुर, बिहार शरीफ और नालंदा स्टेशनों पर रुकेगी।



भीमनगर बस्ती में बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां बांटने पहुंचे जीतू पटवारी

बच्चों से किया संवाद, मिठास और मुस्कान के साथ मनाया दीपावली मिलन समारोह

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा द्वारा भीमनगर बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बस्ती के बच्चों के साथ समय बिताया और दीपावली की खुशियां साझा कीं। पटवारी ने बच्चों से संवाद कर उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि त्योहारों की असली खुशी तभी है जब समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर खुशियां बांटी जाएं। प्रेम भाईचारे और आपसी सौहार्द से ही त्योहारों का महत्व बढ़ता है। बच्चों के साथ दीपावली मनाने का उद्देश्य उनके चेहरों पर मुस्कान लाना और समाज में अपनत्व का भाव मजबूत करना है। कार्यक्रम में भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और भोपाल ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में सामाजिक एकजुटता और सद्भाव का संदेश दिया गया।



एम्स भोपाल में सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती

वेतन बढ़ाकर 1.90 लाख रुपए प्रतिमाह किया, आवेदन की अंतिम तिथि सात दिन बढ़ाई

भोपाल,यश भारत। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने विभिन्न विभागों में संविदा आधार पर सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान ने भर्ती प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए चयनित अभ्यर्थियों का मासिक पारिश्रमिक बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रुपए कर दिया है। इन पदों पर सामान्य चिकित्सा कार्डियोलॉजी, बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी मेडिकल जेनेटिक्स और पीडियाट्रिक सर्जरी सहित विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जाएंगी। एम्स प्रशासन ने आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी है। अब इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी संस्थान की वेबसाइट पर शुद्धिपत्र प्रकाशित होने की तारीख से सात दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे।

किसान कल्याण वर्ष में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बड़ी उपलब्धि

पांच रुपये में 1.33 लाख किसानों को मिले कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल, यश भारत।

किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को बड़ी राहत दी है। कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल नर्मदापुरम ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसानों को मात्र पांच रुपये के प्रारंभिक शुल्क पर नए स्थाई कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कंपनी के अनुसार भोपाल रीजन के आठ जिलों के 9 305 गांवों में 1 लाख 1 हजार 942 किसानों ने, जबकि ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 7 284 गांवों में 31 हजार 207 किसानों ने योजना का लाभ लिया है।योजना के तहत बिजली लाइन के नजदीक खेतों वाले किसानों को पांच रुपये में कनेक्शन दिया जा रहा है। शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किश्तों में किया जा सकता है। इच्छुक किसान अधिक जानकारी के लिए नजदीकी बिजली कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।



अहमदाबाद से छपरा के बीच 14 नवंबर को चलेगी वन-वे सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद से छपरा के बीच वन-वे सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। विशेष किराये पर संचालित यह ट्रेन 14 नवंबर को अहमदाबाद से रवाना होकर अगले दिन छपरा पहुंचेगी। इससे बिहार जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 09449 अहमदाबाद-छपरा वन-वे सुपरफास्ट स्पेशल 14 नवंबर शनिवार को रात 1 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रविवार को दोपहर 2.10 बजे छपरा पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेन छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औंडिहार, गाजीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर ठहरेगी। इस स्पेशल ट्रेन में स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे।

उमंग सिंघार ने पढ़ी सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव जीवन के अनकहे पहलुओं को जाना

प्रेम, संघर्ष, कर्तव्य और भारत से जुड़ाव की संवेदनशील कहानी को व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए समझने का अवसर

भोपाल, यश भारत।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव इन दिनों चर्चा में है। इस पुस्तक को मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी पढ़ा। पुस्तक के माध्यम से उन्होंने सोनिया गांधी के जीवन के उन अनकहे पहलुओं को जानने का अवसर पाया जिनमें प्रेम संघर्ष कर्तव्य विरह और भारत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव की झलक मिलती है। ए जर्नी ऑफ लव केवल एक साहित्यिक कृति नहीं बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए जीवन और इतिहास को समझने का एक संवेदनशील प्रयास है। पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के अनुभवों के साथ देश की बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का भी उनके नजरिए से चित्रण किया गया है।

पुस्तक में ऐसे कई अनुभवों और परिस्थितियों का उल्लेख है जिन्होंने सोनिया गांधी के व्यक्तित्व उनके जीवन के फैसलों और भारत के साथ उनके रिश्ते को आकार दिया। यह पाठकों को इतिहास को केवल घटनाओं के क्रम में नहीं बल्कि उसे करीब से देखने और जीने वाले व्यक्ति के अनुभवों के माध्यम से समझने का अवसर देती है।

उमंग सिंघार द्वारा इस पुस्तक का अध्ययन सोनिया गांधी के जीवन के व्यक्तिगत और सार्वजनिक पक्षों को जानने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



बाजार से हटेगी प्रतिबंधित क्रीम, सप्लाई चेन की होगी जांच

भोपाल में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की बिक्री पर सख्ती

भोपाल,यश भारत।

शहर में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की खुलेआम बिक्री के मामले में मंत्री विश्वास सारंग ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने प्रशासन को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सारंग ने कहा कि महाराष्ट्र में इस क्रीम पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद भोपाल के बाजारों में इसकी बिक्री गंभीर मामला है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भोपाल में भी इस क्रीम को बाजार से हटाया जाएगा। साथ ही इसकी सप्लाई चेन की पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। जांच के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि प्रतिबंधित उत्पाद बाजार तक कैसे पहुंच रहा है और इसकी आपूर्ति किन माध्यमों से की जा रही है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाई जा सके।





एम्स भोपाल में टीकाकरण के महत्व पर हुआ मंथन

विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून मरीजों के टीकाकरण की बताई उपयोगिता

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के जनरल मेडिसिन विभाग की ओर से विश्व टीकाकरण दिवस पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षणिक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किया गया। एकेडमिक ब्लॉक स्थित मेडिसिन सेमिनार हॉल में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों में टीकाकरण की भूमिका और बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सीमा पी. महंत ने टीकाकरण के महत्व और वर्तमान चिकित्सा पद्धति में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ. शुभम रायकवार ने वयस्क टीकाकरण पर अपडेट और डॉ. गोविंद ने ऑटोइम्यून बीमारियों में टीकाकरण पर अपडेट' विषय पर व्याख्यान दिया।विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए टीकाकरण की उपयोगिता बताई। साथ ही साक्ष्य आधारित टीकाकरण को बढ़ावा देकर संक्रमण से बचाव और जनस्वास्थ्य में सुधार पर जोर दिया।

रोजगार और अधिकारों की मांग को लेकर तीन दिवसीय महाआंदोलन, नीलम पार्क में जुटेंगे प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मी

बेरोजगार कोरोना योद्धा 16 नवंबर से भोपाल में करेंगे प्रदर्शन

भोपाल,यश भारत।

मध्यप्रदेश के बेरोजगार कोरोना योद्धा अपनी लंबित मांगों को लेकर 16 नवंबर से भोपाल में तीन दिवसीय विशाल प्रदर्शन एवं महाआंदोलन करेंगे। कोविड 19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ के तत्वावधान में यह आंदोलन 16, 17 और 18 नवंबर 2026 को नीलम पार्क में आयोजित होगा। आयोजन के माध्यम से कोरोना काल में सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों के रोजगार अधिकार और सम्मान से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। साथ ही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग भी की जाएगी। संघ ने प्रदेशभर के बेरोजगार कोरोना योद्धाओं से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। संगठन का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाले कर्मचारियों की मांगों को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाई जाएगी। प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी ने सभी कोरोना योद्धाओं से भोपाल पहुंचकर आंदोलन में सहभागिता करने का आह्वान किया है।



छठ घाटों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे विधायक भगवानदास सबनानी

महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती रहे मौजूद

भोपाल,यश भारत।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने गुरुवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शीतल दास की बगिया, प्रेमपुरा पुलिस लाइन नेहरू नगर और 5 नंबर स्टॉप स्थित छठ घाटों पर पहुंचकर साफ-सफाई प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक सबनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में कोई कमी न रहे। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्व से पहले पूरी करने को कहा ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैया मुकेश दहाड़े भोजपुरी समाज के वरिष्ठजन और नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



एनएसयूआई ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन, परीक्षा और प्रैक्टिकल नहीं कराने की भी रखी मांग

छठ महापर्व पर 16 नवंबर को आरजीपीवी में अवकाश की मांग

भोपाल,यश भारत।

छठ महापर्व के अवसर पर 16 नवंबर 2026 को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में अवकाश घोषित करने की मांग उठी है। इस संबंध में एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर और जिला महासचिव अनिमेष गोंडली ने कुलपति प्रो. डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि बिहार उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित कई राज्यों में छठ महापर्व का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में भी इन राज्यों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। 16 नवंबर को उषा अर्घ्य और पारण के साथ पर्व का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने मांग की कि विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीड़ी) और सभी संबद्ध कॉलेजों में अवकाश घोषित किया जाए। इस दिन परीक्षा प्रैक्टिकल और वाइवा भी नहीं कराए जाएं। पूर्व निर्धारित परीक्षाओं को अन्य तिथि पर कराने की मांग की गई है। एनएसयूआई ने प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।





बच्चे की याददाश्त ऐसे बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं। मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये। लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।' जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

बच्चे को जंक फूड नहीं पौष्टिक भोजन खाने प्रेरित करें

__नई दिल्ली, एजेंसी।__ स्वस्थ खाना, बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। स्वस्थ खाने से बच्चे ऊर्जावान बने रहते हैं तथा बच्चों का दिमाग भी तेज होता है। बच्चों में स्वस्थ खाने की आदत भी परिवार के सदस्य ही डाल सकते हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि बच्चों को हर खाद्य पदार्थ के अच्छे और बुरे पहलुओं से अवगत कराया जाए जिससे बच्चों में बचपन से ही स्वस्थ और अच्छे खान पान की आदत बन जाए।



जंक फूड के नुकसान

जंक फूड की ओर बच्चे जल्दी आकर्षित होते हैं लेकिन बच्चों को यह बताना बेहद जरूरी है कि जंक फूड शरीर को किसी भी मायने में फायदा नहीं पहुंचाता। बच्चों को वही भोजन देना चाहिए जो पोषक तत्वों से भरपूर हो। अच्छे पोषक तत्व मोटापा, कमजोर हड्डियां आदि से बचने में सहायता करते हैं।

बच्चों के लिए आवश्यक पोषक तत्व

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए जरूरी है कि हम ऐसे आहार का पालन करें जिससे बच्चें को पूरे पोषण मिल सकें। इसके लिए नीचे दिए गए डाइट प्लान का भी पालन किया जा सकता है।

होल ग्रेन - इसके अंतर्गत बच्चों को व्हीट पेन केक, मल्टीग्रेन टोस्ट, व्हीट ब्रेड का सैंडविच, ब्राउन राइस आदि दिए जा सकते हैं। अन्य होल ग्रेन भी बच्चों को स्वादिष्ट रूप में दिए जा सकते हैं। अनाज का दलिया, अनाज का आटा, मक्का और गेहूं की रोटियां आदि दी जा सकती हैं।

प्रोटीन - बच्चों को प्रोटीन की वैरायटी आहार के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित करें जैसे अंडे, मछली, चिकन, बेक्ड बीन और दालें आदि।

विटामिन और खनिज - विटामिन और खनिज की आपूर्ति के लिए एक बार चिकित्सक से परामर्श करें। बच्चे के वजन और आयु के हिसाब से बेहतर परामर्श मिल सकेगा।

आयरन - आयरन खून बनने के लिए एक महत्त्वपूर्ण खनिज है। हरी पत्तेदार सब्जी, आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं। रोजाना बच्चों के भोजन का एक हिस्सा हरी सब्जियों का होना चाहिए।

फल और सब्जियां - फल और सब्जियों को स्नैक्स के तौर पर भी दिया जा सकता है। इसके अलावा सब्जियों का सूप बनाकर भी दिया जा सकता है। फल और सब्जियों में विटामिन और खनिज की मात्रा ज्यादा होती है। विटामिन और खनिज स्वस्थ त्वचा, अच्छी ग्रोथ, विकास और संक्रमण से लड़ने के लिए आवश्यक हैं। सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होती है जिसमें विटामिन ए, सी और सुक्ष्म पोषक जैसे मैग्नीशियम और पोटेशियम पाया जाता है। सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो बच्चों के शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। विटामिन बी से भरपूर खाना साबुत अनाज, मांस और डेयरी प्रोडेक्टस है।

दूध और डेयरी उत्पाद - पनीर, दही, दूध से बनी पुडिंग आदि को शामिल करें। फुल क्रीम दूध भी बच्चों को दिया जा सकता है।

चीनी की मात्रा कम करें।

बच्चों को आर्टिफिशियल शुगर लेने से रोकें, जैसे आर्टिफिशियल ड्रिंक, जूस आदि

किसी भी भोज्य पदार्थ को कम चीनी के साथ स्वादिष्ट बनाकर बच्चों को खिलाने की आदत डालें।

प्रोसेस्ड फूड से बच्चों को दूर रखें जैसे कि सफेद ब्रेड और केक आदि।

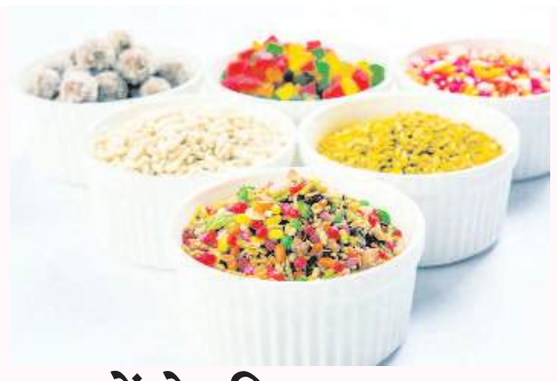
घर पर फलों और सब्जीयों को डालकर फ्रोजन करें और बच्चों की ड्रिंक्स में मिलाएं। बच्चों को घर पर ताजा जूस तैयार करके दें।

नमक की मात्रा कम करें

एक टी-स्पून चम्मच में 2300 मिलीग्राम सोडियम होता है। ऐसे में बच्चों को कम नमक दें।

रेस्टोरेंट, प्रोसेस्ड और पैक्ड फूड से बच्चों को दूर रखें। ऐसे भोज्य पदार्थों में सोडियम होता है जो बच्चों को नुकसान पहुंचाता है।

डिब्बाबंद सब्जियों और फलों की जगह ताजे फल और सब्जियां खाने को दें। आलू चिप्स, फिंगर चिप्स आदि को कम खिलाएं।



बच्चों के लिए इस प्रकार बनाये माउथ-फ्रेशनर

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं। ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्कि बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है। अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेप्टोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर? अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें। जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें। एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें। इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें।

बच्चों के इन खिलौनों से रहे सावधान

नई दिल्ली, एजेंसी। घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का



सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है,जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

सोने पर आयात शुल्क बढ़ने से तस्करी में 16 गुना वृद्धि कुल आपूर्ति का 37 फीसदी हिस्सा अवैध रास्तों से आया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सोने पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद इसकी तस्करी में भारी उछाल आया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से सितंबर 2026 की तिमाही में देश में सोने की तस्करी बढ़कर करीब 50 टन हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा लगभग तीन टन था। इस तरह तस्करी में 16 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की ओर से आयात शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी किए जाने के बाद अवैध तरीके से सोना लाने की गतिविधियां बढ़ी हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारत में सोने की कुल आपूर्ति 136 टन रही। इसमें से करीब 50 टन सोना अवैध रास्तों से देश में पहुंचा, जो कुल आपूर्ति का लगभग 37 फीसदी है। दूसरी ओर, आधिकारिक माध्यमों से सोने का आयात 70 फीसदी घटकर 64 टन रह गया। आंकड़े बताते हैं कि आयात शुल्क बढ़ने के बाद कानूनी माध्यम से सोना मंगाने की लागत बढ़ी है और बाजार में अवैध आपूर्ति का हिस्सा भी बढ़ा है। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, भारत में एक किलो सोने की कीमत करीब



1.49 करोड़ रुपये होने पर उस पर लगभग 19.4 लाख रुपये का आयात शुल्क देना पड़ता है। तस्करी के जरिए सोना लाने वाले लोग इस शुल्क से बच जाते हैं। यदि वे तीन फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान भी नहीं करते, तो उनकी कुल बचत करीब 24 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। इतनी बड़ी रकम बचने के कारण अवैध तरीके से सोने की आपूर्ति करने वालों को आर्थिक लाभ मिलता है। जानकारों का कहना है कि आयात शुल्क बढ़ने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में डिस्काउंट देखने को मिला है। बाजार में कानूनी रूप से आयात किए गए सोने की लागत और वास्तविक बिक्री कीमत के बीच अंतर बढ़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि बिना शुल्क चुकाया गया सोना बाजार में पहुंच रहा है। हालांकि, कीमतों में अंतर अपने आप में तस्करी का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है, लेकिन डब्ल्यूजीसी ने इसे अवैध आपूर्ति बढ़ने से जुड़ा महत्वपूर्ण संकेत बताया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सरकार से सोने पर सीमा शुल्क कम करने की अपील की है। उनका मानना है कि शुल्क घटाने से अवैध कारोबार में मिलने वाला आर्थिक लाभ कम हो सकता है और तस्करी का आकर्षण घटेगा। जानकारों के मुताबिक, जब कानूनी तरीके से सोना आयात करना महंगा हो जाता है, तब अवैध आपूर्ति करने वालों को कीमत के अंतर का फायदा उठाने का अवसर मिलता है। इससे सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में सोने की कीमतों में आए उतार-चढ़ाव का भी उल्लेख किया गया है। अक्टूबर के अंत में भारत में सोने की कीमत 1,39,830 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। इस महीने के दौरान कीमतों में 5.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जनवरी में दर्ज रिकॉर्ड ऊंचे स्तर से यह करीब 20 फीसदी नीचे आ गई। हालांकि, साल की शुरुआत से अब तक सोने की कीमतों में कुल 5.4 फीसदी की बढ़ोतरी बनी हुई है।

सरकार ने खुले बाजार में चावल बिक्री का लक्ष्य किया दोगुना

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने-पीने की वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने खुले बाजार में चावल बेचने का लक्ष्य दोगुना कर दिया है। सरकार अब वित्त वर्ष 2026-27 में खुले बाजार में 50 लाख टन चावल बेचेगी। पहले इसके लिए 25 लाख टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। सरकार के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य बाजार में चावल की उपलब्धता बढ़ाना और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखना है, ताकि उपभोक्ताओं को महंगे चावल से राहत मिल सके। सरकार ने यह निर्णय ऐसे समय में लिया है, जब देश के कई हिस्सों में चावल की खुदरा कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। चीनी और खाद्य तेल की कीमतों के बाद अब चावल के दाम भी आम लोगों के घरेलू बजट पर असर डाल रहे हैं। ऐसे में सरकार खुले बाजार में अपने भंडार से चावल की अतिरिक्त आपूर्ति करने की तैयारी कर रही है। इससे बाजार में उपलब्धता बढ़ने और कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत 31 अक्टूबर 2026 तक 25 लाख टन चावल पहले ही बेचा जा चुका है। अब सरकार अगले पांच महीनों



में अतिरिक्त 25 लाख टन चावल बाजार में उतारेगी। इस तरह चालू वित्त वर्ष में कुल बिक्री का लक्ष्य 50 लाख टन हो जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि अतिरिक्त आपूर्ति से उन क्षेत्रों में कीमतों पर दबाव कम होगा, जहां चावल के दाम तेजी से बढ़े हैं। अगस्त से नवंबर के बीच कई राज्यों में चावल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र में चावल की कीमत 50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 53 रुपये हो गई है। तमिलनाडु में इसका भाव 59 रुपये से बढ़कर 69 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में चावल की कीमत 43 रुपये से बढ़कर 52 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अलग-अलग राज्यों में उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की बेरोजगारी दर घटकर 5.1 फीसदी हुई, ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बेरोजगारी की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। जुलाई से सितंबर 2026 की तिमाही में भारत की बेरोजगारी दर घटकर 5.1 फीसदी रह गई, जबकि पिछली अप्रैल-जून तिमाही में यह 5.4 फीसदी थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में मामूली बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल-जून तिमाही के 4.8 फीसदी से घटकर जुलाई-सितंबर में 4.3 फीसदी रह गई। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.7



फीसदी से बढ़कर 6.8 फीसदी हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी कम होने का असर देश की कुल बेरोजगारी दर पर भी दिखाई दिया। हालांकि शहरों में रोजगार की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और वहां बेरोजगारी दर में हल्की वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के करीब 57.9 करोड़ लोग रोजगार में थे। इनमें लगभग 40.5 करोड़ पुरुष और 17.4 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। रोजगार प्राप्त लोगों में पुरुषों की संख्या अधिक रही, लेकिन महिला श्रम बल भागीदारी और रोजगार दर में भी वृद्धि दर्ज की गई। यह बदलाव देश के श्रम बाजार में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर अप्रैल-जून तिमाही के 33.2 फीसदी से बढ़कर जुलाई-सितंबर में 34.7 फीसदी हो गई। इसी तरह महिलाओं की रोजगार दर भी 31.3 फीसदी से बढ़कर 32.8 फीसदी दर्ज की गई। इससे पता चलता है कि इस अवधि में अधिक महिलाएं श्रम बल से जुड़ीं और रोजगार हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात भी बढ़ा। महिला भागीदारी में यह वृद्धि रोजगार के क्षेत्र में आया एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी रोकने बैंकों ने कारोबारियों की जांच सख्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में खरीदारी और डिजिटल लेनदेन का दायरा बढ़ने के साथ ऑनलाइन भुगतान में धोखाधड़ी का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। साइबर अपराधी भुगतान व्यवस्था की तकनीकी कमजोरियों का फायदा उठाकर लोगों और कारोबारियों की रकम को निशाना बना रहे हैं। इसे देखते हुए बैंकों ने फिनटेक कंपनियों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को कारोबारियों की जांच प्रक्रिया सख्त करने के निर्देश दिए हैं। बैंकों का जोर लाभार्थियों के पंजीकरण को मजबूत बनाने और स्वचालित भुगतान प्रणाली पर अतिरिक्त नियंत्रण लगाने पर है। जानकारी के अनुसार, बैंकों ने अपने फिनटेक साझेदारों को भुगतान व्यवस्था से नए कारोबारियों को जोड़ने से पहले उनकी पहचान और कारोबारी गतिविधियों की बेहतर जांच करने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भुगतान नेटवर्क का इस्तेमाल किसी संदिग्ध या फर्जी कारोबार के लिए न हो। कारोबारियों की पहचान से जुड़े दस्तावेजों और उनकी गतिविधियों की जांच मजबूत होने से धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है। त्योहारों के दौरान खरीदारी और डिजिटल भुगतान में तेजी आने से लेनदेन की संख्या भी काफी बढ़ी है। सात नवंबर को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से 97.5 करोड़ लेनदेन दर्ज किए गए। इतनी बड़ी संख्या में होने वाले डिजिटल लेनदेन के बीच भुगतान व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखना बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं के



लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इसी वजह से भुगतान प्रणाली से जुड़े तकनीकी माध्यमों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डिजिटल भुगतान में इस्तेमाल होने वाली एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) की सुरक्षा भी चिंता का विषय बनी हुई है। एपीआई विशेष तकनीकी कोड होते हैं, जिन्हें भुगतान कंपनियां अपने कारोबारी ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं। इनके जरिए कारोबारी भुगतान प्राप्त करने के साथ बैंक खातों में बड़ी संख्या में रकम भेजने के निर्देश दे सकते हैं। इस व्यवस्था में हर लेनदेन के लिए अलग से ओटीपी की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए इन कोड की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि किसी कारोबारी का सर्वर हैक हो जाता है, तो साइबर अपराधी एपीआई कोड की नकल कर सकते हैं। इसके बाद वे इन कोड का इस्तेमाल करके फर्जी भुगतान निर्देश भेज सकते हैं। ऐसे निर्देशों के जरिए रकम गलत बैंक खातों में पहुंच सकती है। खाते में पैसा पहुंचने के बाद उसे कुछ ही मिनटों में निकाला भी जा सकता है। इससे धोखाधड़ी का पता लगाने और रकम वापस हासिल करने के लिए बहुत कम समय बचता है। इस खतरे से बचने के लिए भुगतान कंपनियां एपीआई कोड नियमित रूप से बदल रही हैं। इसके साथ ही इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) एड्रेस पर प्रतिबंध लगाने और अतिरिक्त प्रमाणीकरण व्यवस्था अपनाने जैसे उपाय भी किए जा रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत केवल अधिकृत इंटरनेट एड्रेस से आने वाले निर्देश ही स्वीकार किए जा सकेंगे। इससे अनधिकृत माध्यमों से भुगतान संबंधी निर्देश भेजने की आशंका कम हो सकती है। द्वविशेषज्ञों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल ने साइबर सुरक्षा की चुनौती को और गंभीर बना दिया है। अब सॉफ्टवेयर की खामियों का पता लगाने और उनका फायदा उठाने के बीच का समय कम हो गया है। ऐसे में साइबर अपराधियों को तकनीकी कमजोरियों का तेजी से दुरुपयोग करने का अवसर मिल सकता है। इस कारण कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था लगातार अपडेट रखने और तकनीकी खामियों की नियमित जांच करने की जरूरत है।

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल



माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारुप में कमान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली है। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं।

श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 129 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।

डेब्यू मैच में 28 गेंदों में 5 विकेट; 21 साल के महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ मचाई तबाही

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड पहला वनडे पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच में 21 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन महफिल लूट ले गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में अपना 5 विकेट हॉल लिया। वह डेब्यू मैच में 5 विकेट हॉल लेने दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के मात्र दूसरे ही गेंदबाज बने हैं। महली बियर्डमैन से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 1988 में टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली बार यह कारनामा किया था। वहीं दुनिया में ऐसा श्रीलंका के उवैस करनैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1984 में किया था। ऐसा नहीं है कि महली ने पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट चटकाए हो, उनके इस 5 विकेट हॉल में जो रूट से लेकर हैरी ब्रूक जैसे धकाड़ बल्लेबाज मौजूद हैं। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक का विकेट चटकाया।

महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर की शुरुआत मेडन ओवर से की थी। दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक का तो तीसरे ओवर में जो रूट का विकेट चटकाया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में 2 विकेट मिले। उन्होंने अपना 5 विकेट हॉल पांचवें ओवर में ही लियाम डेवसन का विकेट लेकर पूरा किया।

- पहले ओवर में मेडन।
- दूसरे ओवर में 1 विकेट।
- तीसरे ओवर में 1 विकेट।
- चौथे ओवर में 2 विकेट।
- पांचवें ओवर में 1 विकेट।

महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ7.4 ओवर में मात्र 24 रन खर्च कर कुल 6 विकेट चटकाए। उनके इस धाकड़ प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रनों पर ही सिमट गई। महली ने जोफ्रा आर्चर के रूप में अपना 6ठा विकेट लिया।



आईपीएल 2027 मिनी नीलामी के लिए मुस्तफिजुर सहित सात बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नाम दिये

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के आगामी मिनी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 7 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का भी है। ये वही मुस्तफिजुर रहमान हैं, जो पिछले सत्र में विवादों में रहने के कारण आईपीएल से बाहर कर दिये गये थे। पिछले साल, आईपीएल 2026 से पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के मद्देनजर उपजे विरोध प्रदर्शनों के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के हस्तक्षेप के बाद, फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही मुस्तफिजुर को बाहर कर दिया



था। इस घटना ने दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में काफी खटास पैदा कर दी थी और एक बड़ा राजनीतिक-सामाजिक विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। भारत द्वारा 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी का बांग्लादेश ने बहिष्कार किया था।

अब, लगभग दस महीने बाद हालातों में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आगामी आईपीएल 2027 सीजन के लिए 16 दिसंबर को होने वाले मिनी निलामी के लिए बीसीसीआई ने विभिन्न क्रिकेट बोर्ड्स से खिलाड़ियों की सूची मांगी थी, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी शामिल रहा। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के सात खिलाड़ियों ने इस नीलामी के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। इसमें मुस्तफिजुर रहमान के अलावा, नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम शामिल हैं।आईपीएल प्रबंधन की तरफसे नीलामी में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है। इस सूची को जारी होने में अभी कुछ वक्त लगेगा, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी करेंगी और रिलीज किए गए खिलाड़ी भी ऑक्शन पूल का हिस्सा बनेंगे।

चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों



तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूसीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है।

रंग संसार

सलमान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है। ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है।

देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है। सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अर्थपूर्ण फिल्में बनाने की अपील की

कहा- बालमन की जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

मुंबई (यशभारत)। भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध



अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों की खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सात साल के मासूम बच्चे थॉमस और उसके परिवार के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाती है, जिसकी शैली दर्शकों को मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की अमर कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन देवैया, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हृदांश पारेख ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।



रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफवापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया। अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है।

दिवाली पार्टी में साथ दिखे हिना खान और राजन शाही

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री हिना खान और मशहूर निर्माता राजन शाही की एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दिवाली पार्टी के दौरान दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए और साथ में कैमरे के लिए पोज भी दिए। लंबे समय बाद दोनों को इस तरह साथ देखकर प्रशंसक हैरान हैं। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या दोनों के बीच सालों से चली आ रही नाराजगी अब खत्म हो गई है? यह तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इसमें हिना खान और राजन शाही के साथ कई अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक साथ नजर आने पर कुछ प्रशंसकों ने खुशी जताई, जबकि कई लोग उनके रिश्तों में सुधार को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर अभी तक हिना या राजन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हिना खान और राजन शाही के बीच पुराने मतभेदों की चर्चा काफी

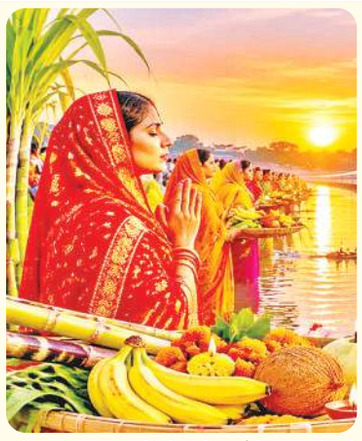


समय से होती रही है। हिना ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो का हिस्सा रहने के दौरान उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई। बाद में हिना ने अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए शो छोड़ने का फैसला किया था। वर्ष 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने शो छोड़ने के अनुभव पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह शो के निर्माताओं का सम्मान करती हैं, लेकिन उनका शो से अलग होना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। उनके इस बयान के बाद पुराने विवाद ने फिर सुर्खियां बटोरी थीं। दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना के साथ हुए विवाद पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना शो की स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां होती थीं। राजन के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ संवाद बोलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मेकर्स ने उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था और उन्हें सेट छोड़ने के लिए कहा गया था। अब दिवाली पार्टी की तस्वीर ने दोनों के पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, साथ में तस्वीर खिंचवाने से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके बीच मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं।

छठ व्रतियों के लिए मनपा ने सजाए घाट

शहर में कृत्रिम तालाबों से लेकर समुद्र तटों तक इंतजाम

वसई-विरार, यशभारत। छठ पूजा 2026 के मद्देनजर वसई-विरार महानगरपालिका ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार 15 नवंबर और सोमवार 16 नवंबर को होने वाले पर्व के लिए मनपा ने नौ प्रभाग समितियों के अंतर्गत विसर्जन स्थलों की सूची जारी की है। इन स्थानों पर कृत्रिम तालाबों, प्राकृतिक तालाबों, समुद्र तटों और नदी घाटों पर व्यवस्था की जाएगी।



प्रभाग समिति ए (बोलींज) में विराट नगर मैदान, डोंगरपाड़ा, ग्लोबल सिटी, आई एवेन्यू सर्कल और पद्मावती नगर के अलावा नवापुर व राजोडी समुद्र तट शामिल हैं। प्रभाग समिति बी (विरार पूर्व) में मनवेलपाड़ा, मोरेगांव, सेंट्रल पार्क मैदान, नालासोपारा पूर्व और ओसवाल नगरी सहित आठ स्थान तय किए गए हैं। प्रभाग समिति सी (चंदनसार) में टोटाले, बर्फेश्वर, कोपरी और वनोठापाड़ा सहित सात, जबकि डी (आचोले) में आचोला, नागेला और वसंत नगरी मैदान सहित पांच स्थान निर्धारित हैं।

प्रभाग समिति ई (नालासोपारा) में चक्रेश्वर तालाब, ट्विंकल गार्डन, यशवंत गौरव, मिडटाउन मैदान और झालावाड़ मैदान सहित सात स्थानों पर व्यवस्था होगी। प्रभाग समिति एफ (पेल्हार) में धानिव, वाकणपाड़ा, जाधवपाड़ा, संतोष भवन, गावराईपाड़ा, हरवटेपाड़ा, बिलालपाड़ा, जीवन नगर, पारधी नगर, शर्मा वाड़ी और श्रीधर नगर समेत 14 स्थान तय किए गए हैं।

प्रभाग समिति जी (वालीव) में विभिन्न तालाबों के साथ चिंचोटी और कामन नदी घाट, एच (नवघर-माणिकपुर) में दिवानमान, माणिकपुर तालाब व दोस्ती स्टेला तथा आई (वसई) में पापड़ी राम मंदिर, सुरुचि बाग और रानगांव बाग को विसर्जन स्थलों में शामिल किया गया है। इस व्यवस्था से छठ व्रतियों को घर के नजदीक पूजा और विसर्जन की सुविधा मिलेगी।

आरे के जंगल में नर तेंदुए की संदिग्ध मौत

शरीर पर मिले गहरे घाव

मुंबई, यशभारत। मुंबई की आरे दुग्ध कॉलोनी के जंगल में गुरुवार सुबह 4 से 6 वर्ष के एक नर तेंदुए का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। तेंदुए का शव आरे अस्पताल के पीछे जंगल से सटी एक बंद इमारत के भूतल पर मिला। उसके चेहरे और पिछले पैरों पर गहरे चोटों के निशान पाए गए।



निर्माण श्रमिकों की सूचना पर ठाणे वन विभाग और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की बचाव टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक तेंदुए की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में पंजों के निशान मिलने से दूसरे नर तेंदुए के साथ क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई में घायल होने की आशंका जताई गई है।

वन विभाग के रिकॉर्ड में मृत तेंदुए की पहचान एस2025-एम38 के रूप में दर्ज है। उसे आखिरी बार 11 सितंबर, 2026 को कैमरा ट्रैप में देखा गया था। वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. शैलेश पेठे ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की असली वजह सामने आएगी।

केईएम अस्पताल में नियमित अधिष्ठाता नियुक्त करने की मांग

लिफ्ट व्यवस्था सुधारने का भी मुद्दा उठाया

मुंबई, यशभारत। केईएम अस्पताल में लिफ्ट बंद रहने से मरीजों, दिव्यांगों और उनके परिजनों को हो रही परेशानी को लेकर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष हरीश भांदिर्गे से मुलाकात की। उन्होंने तीन पन्नों का ज्ञापन सौंपकर लिफ्टों की तत्काल मरम्मत, नई लिफ्ट लगाने और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की।



गलगली ने अस्पताल के अधिष्ठाता पद पर महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) के माध्यम से पात्रता प्राप्त योग्य उम्मीदवार की नियुक्ति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रभारी अधिष्ठाता कार्यरत हैं। अस्पताल के प्रशासनिक संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए नियमित नियुक्ति जरूरी है।

उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष से लिफ्टों की मरम्मत और नई लिफ्ट लगाने के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा है। लिफ्ट बंद रहने से गंभीर, दिव्यांग और फ्रैक्चर के मरीजों को विशेष परेशानी होती है। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता और प्रशासनिक व्यवस्था की नियमित निगरानी की भी मांग की।

तलावपाली में अनैतिक गतिविधियों पर महिला शिवसैनिकों का हंगामा

देह व्यापार में लिप्त महिलाओं को पीटा, दलाल मौके से फरार

ठाणे, यशभारत। शहर की चौपाटी के रूप में प्रसिद्ध तलावपाली परिसर में कथित अनैतिक गतिविधियों को लेकर गुरुवार देर शाम जमकर हंगामा हुआ। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बाद शिवसेना की महिला पदाधिकारियों ने परिसर में पहुंचकर देह व्यापार में लिप्त होने के संदेह में दो से तीन महिलाओं की पिटाई कर दी। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई।



स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पिछले कुछ महीनों से तलावपाली और गडकरी रंगायतन सभागृह के आसपास अनैतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। इससे महिलाओं और बच्चों का परिसर में घूमना मुश्किल हो रहा है। इसी के विरोध में महिला शिवसैनिकों ने कार्रवाई की। बताया जाता है कि उनके पहुंचते ही कुछ महिलाएं और कथित दलाल मौके से भाग निकले। इस दौरान वंदना डोंगरे, स्वानंद पवार, पूजा विशाल लोंधे और रीना मुदलियार मौजूद थीं। उनका कहना था कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाना प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्तव्य है। उन्होंने प्रशासन से परिसर में ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की।

पालघर का सर्वांगीण विकास मेरी पहली प्राथमिकता -गणेश नाईक

जनजातीय गौरव सप्ताह में योजनाओं का लाभ वितरित मृतकों के परिजनों को 25 लाख की मदद

पालघर, यशभारत। वन मंत्री एवं पालघर के पालकमंत्री गणेश नाईक ने कहा कि जिले का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय से जिम्मेदारी निभाते हुए काम करना चाहिए। वे क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह-2026 के तहत लाभार्थियों को सहायता वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे।



नाईक ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया को विकास प्रक्रिया में एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए। गलतियों पर केवल आलोचना करने के बजाय सकारात्मक मार्गदर्शन जरूरी है। उन्होंने नवी मुंबई की उपलब्धियों का उदाहरण देते हुए सामूहिक प्रयासों को सफलता का आधार बताया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को अपनाकर आदिवासी और वंचित वर्गों के उत्थान का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे और पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख सहित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरित किए गए तथा तेंदुए के हमलों में मृत लोगों के परिजनों को 25 लाख रुपये के चेक सौंपे गए।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मनाई 108वीं वर्षगांठ

केक काटकर बैंक के गौरवशाली सफर और उज्ज्वल भविष्य की कामना

भिवंडी, यशभारत। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की 108वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पूर्व नगरसेवक एवं भिवंडी शिक्षण मंडल के पूर्व सभापति प्रदीप वालचंद राका (पप्पू राका) उपस्थित रहे। उन्होंने केक काटकर बैंक की वर्षगांठ मनाई और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राका ने विश्वास, सेवा और प्रगति के 108 वर्षों के गौरवशाली सफर के लिए बैंक को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बैंक की सेवाएं आम लोगों के लिए सहजता से उपलब्ध हैं। बैंक ने वर्षों से ग्राहकों का विश्वास कायम रखते हुए सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम में बैंक से जुड़े गणमान्य व्यवसायी, उद्योगपति तथा बैंक के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता अशफाक उल्लाह खान का निधन



भिवंडी, यशभारत। भिवंडी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशफाक उल्लाह खान का लंबी बीमारी के बाद 75 वर्ष की उम्र में गुरुवार रात निधन हो गया। उनके निधन से कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में शोक की लहर फैल गई।

खान ने भिवंडी से लेकर प्रदेश कांग्रेस तक विभिन्न पदों पर रहते हुए सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। वे अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और एक बेटे सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। देर रात उनके पार्थिव शरीर को वंजारपट्टी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम विदाई देने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता और समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तीन हजार गायों के लिए शिंदे ने खोला खजाना

गौशाला तक अपने खर्च पर बनवाएंगे सड़क प्रकाश पाटील ने किया भूमिपूजन

भिवंडी, यशभारत। मानसून के दौरान चारा लाने वाले वाहनों के लिए सड़क मार्ग उपलब्ध नहीं होने से अंगांव स्थित श्री गोपाल गौशाला में चारे की किल्लत हो जाती है। इस समस्या को देखते हुए गौशाला के न्यासी राकेश मोदी ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भिवंडी-वाडा राजमार्ग से गौशाला तक सड़क बनाने का अनुरोध किया था। शिंदे ने अपने खर्च पर सड़क निर्माण कराने का निर्णय लिया है। हाल ही में शिवसेना नेता प्रकाश पाटील के हाथों श्रीफल स्थापित कर सड़क का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर गौशाला न्यासी मंडल के त्रिलोकचंद जैन, राकेश मोदी, मनोज दुधानी और पिंटू कुमावत सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित थे। यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 76 से मौजे करंजावड़े स्थित गौशाला तक बनाई जाएगी। प्रकाश पाटील ने बताया कि गौशाला में करीब तीन हजार गायों की सेवा की जाती है। सड़क बनने के बाद इसके लोकार्पण के लिए उपमुख्यमंत्री शिंदे को आमंत्रित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रहते हुए शिंदे ने इस गौशाला को राज्य की गौमाता का दर्जा दिया था। राकेश मोदी ने सड़क का नाम गौमाता के नाम पर रखने की मांग की, ताकि शिंदे के योगदान को हमेशा याद रखा जा सके।

दिवाली की छूट खत्म होते ही फेरीवालों पर चला केडीएमसी का शिकंजा

टिटवाला स्टेशन परिसर में मनपा की कार्रवाई, ठेले और सामान जब्त होने से मची अफरा-तफरी

कल्याण, यशभारत। दिवाली के पांच दिनों की छूट खत्म होते ही कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने टिटवाला पूर्व रेलवे स्टेशन परिसर में फिर से कब्जा जमाने वाले फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को टिटवाला 'अ' प्रभाग के फेरीवाला हटाव दस्ते ने अचानक धावा बोलकर सड़क और फुटपाथ पर लगाए गए ठेले, लोहे के मंच और बिक्री का सामान जब्त कर लिया। कार्रवाई से फेरीवालों में हड़कंप मच गया, वहीं यात्रियों और स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली।



दिवाली के दौरान नागरिकों की सुविधा को देखते हुए मनपा ने पांच दिनों तक फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई रोक दी थी। इस छूट का फायदा उठाकर कपड़े, मोबाइल कवर, घरेलू सामान और रोजमर्रा की वस्तुएं बेचने वाले विक्रेताओं ने स्टेशन परिसर में फिर अतिक्रमण कर लिया था। इससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही थी। गणपति मंदिर जाने वाले श्रद्धालु भी भीड़ और जाम से जूझ रहे थे। अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर सहायक आयुक्त अनिता राठोड ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर दस्ते को कार्रवाई का आदेश दिया। हालांकि, नागरिकों ने कार्रवाई पर संतोष जताने के साथ अतिक्रमण नियंत्रण विभाग के कुछ कर्मचारियों की कथित मिलीभगत पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने नियमित निगरानी और स्थायी कार्रवाई की मांग की है।

शेयर ऑटोरिक्शा का सफर 25 फीसदी महंगा

12 रुपये के बजाय अब देने होंगे 15 रुपये

भाईंदर, यशभारत। भाईंदर (पश्चिम) रेलवे स्टेशन से चलने वाले शेयर ऑटोरिक्शा का सफर अब महंगा हो गया है। रिक्शा चालक संघ ने 5 नवंबर से किराये में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू कर दी है। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। भाईंदर (प.) में शेयर रिक्शा के निर्धारित मार्ग और किराये क्षेत्रीय परिवहन विभाग (आरटीओ) द्वारा तय किए गए हैं। रिक्शा चालक संघ ने विभिन्न पड़ावों पर नए किराये के सूचना बोर्ड भी लगा दिए हैं। इसके अनुसार, 12 रुपये का किराया बढ़ाकर 15 रुपये कर दिया गया है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2022 में शेयर रिक्शा का किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 12 रुपये किया गया था। करीब चार साल बाद किराये में फिर वृद्धि की गई है। हालांकि, रिक्शा चालक संघ ने बढ़ोतरी का स्पष्ट कारण नहीं बताया है।

मुख्यमंत्री सहायता निधि के शिविर में 120 मरीजों की मुफ्त जांच

दातिवरे-सफाले में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सलाह

आयुष्मान भारत कार्ड का भी हुआ पंजीकरण

पालघर, यशभारत। पालघर तालुका के दातिवरे (सफाले) में मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धर्मार्थ अस्पताल सहायता कक्ष की ओर से इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें 120 मरीजों की जांच कर उन्हें विशेषज्ञों ने आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया।



मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता देने और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई।

शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, अस्थिरोग विशेषज्ञों की सलाह, रक्त जांच, ईसीजी और मुफ्त दवा वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड के लिए पंजीकरण किया गया। नागरिकों को अंगदान के महत्व की जानकारी देकर जागरूक भी किया गया।

शिविर के आयोजन में बोईसर के इन्फिगो और वरद मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, पालघर के ढवले अस्पताल, सर्व जीवसेवा फाउंडेशन, मोहन फाउंडेशन तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने सहयोग दिया। आयोजकों का उद्देश्य ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को गांव के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

शादी का झांसा देकर छह साल तक शोषण

दूसरी शादी के बाद भी प्रताड़ित करने का दावा परिजनों पर बंधक बनाकर धमकाने का आरोप

कल्याण, यशभारत। कल्याण में शादी का झांसा देकर युवती के शारीरिक शोषण का मामला सामने आया है। पीड़िता ने सुजल बाबासाहेब गायकवाड़ पर छह-सात वर्षों तक संबंध रखने और दूसरी शादी के बाद भी प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

युवती के अनुसार, आरोपी ने 6 अप्रैल को बौद्ध रीति-रिवाज से उससे विवाह किया था। बाद में उसकी दूसरी शादी की जानकारी मिलने पर उसने जहरीली गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी के माता-पिता, भाई और मामा ने उसे करीब तीन घंटे तक घर में बंधक बनाया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उसने यह भी दावा किया कि 13 मई को दूसरी शादी करने के बाद आरोपी उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता रहा। पीड़िता ने महात्मा फुले पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एसबीआई के वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र पर साइबर हमला!

3.75 लाख अभिलेख चोरी होने का दावा, डार्क वेब पर जानकारी लीक होने से हड़कंप

नवी मुंबई, यशभारत। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की डिजिटल सुरक्षा पर साइबर अपराधियों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर स्थित बैंक के वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र के सर्वर में कथित सेंधमारी कर 3 लाख 75 हजार अभिलेख चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। चोरी की गई जानकारी डार्क वेब पर प्रसारित किए जाने का भी दावा है।



शिकायत के अनुसार, 9 से 15 अक्टूबर, 2026 के बीच छह दिनों तक साइबर घुसपैठ की गई। इस दौरान बैंक के योनो 2.0 और रास जैसे महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों से जुड़ी जानकारी को निशाना बनाया गया। आरोप है कि हैकरों ने 32 सीएसवी फाइलें, 2 जेसन फाइलें और 2,721 पीडीएफ फाइलें चुरा लीं। हालांकि, चोरी हुए अभिलेखों में ग्राहकों की किस तरह की जानकारी शामिल है और उसका दुरुपयोग हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। एसबीआई के एक अधिकारी की शिकायत पर सीबीडी पुलिस ने अज्ञात हैकरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

परिमंडल-2 के पुलिस उपायुक्त अमित काले ने बताया कि साइबर हमले के पीछे सक्रिय गिरोह, चोरी की गई जानकारी के ठिकाने और उसके इस्तेमाल की जांच की जा रही है। इस घटना ने बैंक की डिजिटल सुरक्षा और ग्राहकों की निजी जानकारी की हिफाजत को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

महासभा की एसओपी पर हंगामा

नियमों की प्रति फाड़कर आफरीन सैय्यद ने जताया विरोध

भाईंदर, यशभारत। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका की महासभा में नागरिकों के प्रवेश के लिए लागू नए नियमों को लेकर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष की नेता आफरीन सैय्यद ने प्रशासन की ओर से तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की प्रति सदन में फाड़कर विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि महासभा देखने आने वाले नागरिकों पर अनावश्यक पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

दरअसल, 16 अक्टूबर की महासभा में हुए हंगामे के दौरान भाजपा पार्षदों पर नागरिकों और पत्रकारों से मारपीट के आरोप लगे थे। इसके बाद 13 नवंबर की स्थगित महासभा के लिए प्रशासन ने नए नियम लागू किए। शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच दर्शक दीर्घा में प्रवेश के लिए पास अनिवार्य किया गया। प्रवेश से पहले पांच स्थानों पर पास की जांच की गई। कांग्रेस पार्षद अनिल सावंत ने नियमों का कानूनी आधार पूछा, जबकि शिवसेना पार्षद शर्मिला बागाजी ने एसओपी बनाने से पहले महासभा को विश्वास में नहीं लेने पर सवाल उठाए। महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि प्रशासन ने अध्ययन के बाद नियम बनाए हैं और जरूरत पड़ने पर संशोधन किया जाएगा।

भिवंडी मनपा की महासभा में 17 नवंबर को हंगामे के आसार

भिवंडी, यशभारत। भिवंडी महानगरपालिका की नौवीं आमसभा 17 नवंबर को दोपहर 3 बजे महापौर नारायण चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में कुल 23 विषयों पर चर्चा होगी। इसमें सीबीएसई स्कूल शुरू करने के प्रस्ताव के साथ वाणिज्यिक संपत्तियों से कर वसूली का जिम्मा निजी कंपनी को सौंपने का मुद्दा भी शामिल है। इस प्रस्ताव को लेकर महासभा में तीखे विरोध और हंगामे के आसार हैं। बैठक में एमएमआरडीए योजना के तहत 262.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसमें अग्निशमन विभाग के लिए 25 करोड़ रुपये के वाहनों की खरीद भी शामिल है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 21 की भारत कॉलोनी, कामतघर-ताडाली मुख्य मार्ग पर नई नाली बनाने और हलदेवी मंगल भवन के बाहर उद्यान विकसित कर उसका सौंदर्यीकरण करने का प्रस्ताव है। महासभा में दिव्यांगों के लिए वर्ष 2026-27 की कल्याणकारी योजनाओं, 20 नगरपालिका स्वास्थ्य केंद्रों सहित तपेदिक विभाग और बीजीपी क्लिनिक के लिए दवाओं, प्रयोगशाला सामग्री और उपकरणों की ई-खरीद पर भी चर्चा होगी।

स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा*
महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)